राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube LinkedIn
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार10नवम्बर 2020 वर्ष–3 अंक 285 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## पत्नी अपने खर्च और जरूरतें बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं... गुजारा भत्ता पर सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा?

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा है कि गुजारे के लिए भरण पोषण भत्ता तय करते समय अदालतें यह देखें कि मुआवजा न्यायोचित हो। यह इतना ज्यादा न हो कि पति गरीबी में आ जाए और विवाह की विफलता उस पर एक सजा की तरह से न हो। जस्टिस इंदु मल्होत्रा और सुभाष रेड्डी की पीठ ने यह फैसला देते हुए कहा कि मुआवजा भत्ता खर्चीला नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि यह प्रवृत्ति देखी गई है कि पत्नी अपने खर्च और आवश्यकताएं बढ़ा-चढ़ाकर बताती हैं। उधर, पति भी अपनी आय छिपाकर बताता है, जिससे उसे कम से कम देना पड़े। इसके लिए सबसे बेहतर है कि पति और पत्नी दोनों से एक-एक शपथपत्र लिया जाए, जिसमें उनकी आय, संपत्तियां और देनदारियों का विवरण पता लग जाए। इससे कोर्ट को भत्ता तय करने में आसानी रहेगी और वास्तविक भत्ता तय कर दिया जा सकेगा।

कोर्ट ने कहा कि भत्ता तय करते समय फैमिली कोर्ट पक्षों का सामाजिक स्तर, जीवन स्तर की तार्किक जरूरतें, निर्भर बच्चों की स्थिति भी देखें और उसके हिसाब से गुजरा भत्ता तय करें। इसके साथ यह भी देखें कि भत्ता देने वाले पति की आय, उसके ऊपर निर्भर परिजन, पारिवारिक जिम्मेदारियां क्या हैं, ऐसा न हो कि भत्ता इतना भारी भरकम कर दिया जाए कि पति उसमें दब जाए और शादी तोड़ना उसके लिए एक सजा हो जाए। कोर्ट ने कहा कि पत्नी के नौकरी करने से भत्ता देने से मना नहीं किया जा सकता, देखना ये होगा कि क्या पत्नी उस आय से अपना गुजर कर सकती है, यदि यह पर्याप्त नहीं है तो उसे भत्ता दिलाया जा सकता है।

## अयोध्या-रामलला के दरबार में वर्चुअल दीये जला सकेंगे भक्त, योगी सरकार जल्द लॉन्च करेगी वेबसाइट

**लखनऊ।** इस बार 'अयोध्या दीपोत्सव' में करोड़ों राम भक्त श्रीरामलला दरबार में वर्चुअल हाजिरी लगाएंगे। कोई भी श्रद्धालु राम दरबार में आस्था-दीप जलाने से वंचित न रहे, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने सभी की सहभागिता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विशेष निर्देश पर सरकार एक पोर्टल तैयार करा रही है, जहां वर्चुअल दीप जलाए जा सकेंगे।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा तैयार कराया जा रहा यह अनूठा वर्चुअल दीपोत्सव प्लेटफार्म वास्तविक जैसा अनुभव देगा। पोर्टल पर श्रीरामलला विराजमान की तस्वीर होगी। जिसके समक्ष वर्चुअल दीप प्रज्वलन होगा। यहां सुविधा होगी कि श्रद्धालु अपने भावानुसार मिट्टी, तांबे, स्टील अथवा किसी अन्य धातु के दीप-स्टैंड का चयन करें। घी, सरसों अथवा तिल के तेल का विकल्प भी उपलब्ध होगा। यही नहीं,श्रद्धालु अगर पुरुष है तो पुरुष अथवा महिला है तो महिला के वर्चुअल हाथ दीप प्रज्वलित करेंगे।

दीप जलाने के बाद श्रद्धालु के विवरण के आधार पर रामलला की तस्वीर के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से धन्यवाद-पत्र भी जारी होगा। 13 नवम्बर को प्रस्तावित मुख्य समारोह से पूर्व यह वेबसाइट आमजन के लिए उपलब्ध हो जाएगी। बता दें, कि इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी दीपोत्सव में वर्चुअली सहभागिता कर रहे हैं। इस बार करीब साढ़े पांच लाख दीप जलाने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी रामायण के प्रसंगों पर आधारित झांकियों का अवलोकन करेंगे। साथ ही, श्रीराम, सीता और लक्ष्मण के स्वरूप, की आरती कर श्री राम का राज्याभिषेक करेंगे और जन्मभूमि परिसर में रामलला की आरती भी उतारेंगे।

दीपोत्सव को भव्य-दिव्य बनाया जाएगा लेकिन कहीं भी कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं होगा। प्रतिदिन अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। दीपोत्सव पर राम की पैड़ी के साथ सभी मठ मंदिरों व घरों में ऐसे दीप जलेंगे, जिससे भगवान राम की नगरी अयोध्या दीप के प्रकाश से पूरी तरह से अलोकित हो जाए।
- योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री

# कोरोना-दिल्ली के तीन अस्पतालों में नहीं मिला बेड, चौथे में पहुंचकर मरीज ने तोड़ दिया दम

**नई दिल्ली।** राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने पर मरीजों को इलाज में दिक्कतें आ रही हैं। कोरोना ऐप में आईसीयू बेड उपलब्ध होने के बाद भी अस्पताल मरीजों को भर्ती नहीं कर रहे हैं और उन्हें दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। शनिवार को रात तेज बुखार और सांस लेने में तकलीफ से पीड़ित एक कोरोना के संदिग्ध मरीज को तीन अस्पतालों में भटकने के बाद भी बेड नहीं मिला। मरीज को इलाज में देर हो रही थी। चौथे अस्पताल में पहुंचकर परिजनों के मिन्नत करने के जाफी देर बाद मरीज को भर्ती तो कर लिया लेकिन अस्पताल में कुछ समय बाद ही उनकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि कोरोना ऐप पर बेड खाली हैं लेकिन मरीजों को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल रेफर करने का खेल चल रहा है। दिल्ली के कालका जी निवासी अमित अपने 78 वर्षीय पिता को शाम से रात तक करीब 4 घंटे तक एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल के चक्कर लगाते रहे लेकिन उन्हें काफी देर तक बेड नहीं मिला। अमित के 78 वर्षीय पिता बी.डी शर्मा को शनिवार शाम तेज बुखार के अलावा सांस लेने में तकलीफ हुई। परिजन पहले तो पास के एक निजी अस्पताल ले गए लेकिन कोरोना संदिग्ध होने पर उन्हें दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां भी उनके पिता को बेड उपलब्ध नहीं हो पाया।

इस बीच मरीज की तबीयत काफी बिगड़ती जा रही थी। इसके बाद परिजन उन्हें दिल्ली के सबसे बड़े कोरोना अस्पताल लोकनायक में लेकर गए। दिल्ली सरकार की कोरोना ऐप के मुताबिक यहां 30 आईसीयू बेड खाली हैं। वहां इमरजेंसी में कुछ देर रखने के बाद राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल भेज दिया गया। परिजनों ने काफी गुहार लगाई की मरीज की तबीयत बिगड़ती जा रही है लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें आईसीयू बेड खाली होने के बावजूद भी रेफर कर दिया। राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में पहुंचने पर वहां मौजूद डॉक्टरों ने कहा कि जीटीबी ले जाइए क्योंकि उनके यहां अभी कोरोना की जांच नहीं हो सकती। परिजनों ने काफी देर तक मिन्नतें की तो मरीज को भर्ती तो कर लिया लेकिन कुछ समय बाद ही मरीज ने दम तोड़ दिया। राजीव गांधी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर बी एल शेरवाल ने बताया कि कोरोना की एंटीजन जांच 24 घण्टे होती है लेकिन आरटीपीसीआर जांच सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक ही होती है। उन्होंने बताया कि संदिग्ध मरीजों को जांच रिपोर्ट आने तक अलग क्षेत्र में रखा जाता है। उन्होंने कहा कि वह पता लगाएंगे कि किस वजह से संदिग्ध मरीज को दाखिल करने में देरी हुई और जांच के लिए उसे जीटीबी भेजा जा रहा था।

**लोकनायक में बचे हैं सिर्फ बच्चों के लिए आईसीयू बेड**

मरीज को लोकनायक अस्पताल से रेफर करने के सवाल पर लोकनायक अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुरेश कुमार ने बताया कि उनके यहां वयस्कों के इलाज के लिए तय अधिकतर आईसीयू बेड फुल हो चुके हैं। अभी जो कोरोना एप पर खाली आईसीयू बेड दिखा रहा है वह वे बेड हैं जो बच्चों के इलाज के लिये आरक्षित हैं।

**दिल्ली में 81 फीसदी आईसीयू बेड फुल हुए**

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए तय 81 फीसदी आईसीयू बेड और 82 फीसदी वेंटिलेटर बेड फुल हो चुके हैं। दिल्ली में कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए 2024 आईसीयू बेड उपलब्ध हैं जहां मरीजों को ऑक्सीजन देने की सुविधा है। इनमें से 1637 बेड फुल हैं और सिर्फ 387 बेड खाली हैं।

## सादगी से तेजस्वी ने मनाया अपना जन्मदिन

**पटना।** बिहार में महागठबंधन से सीएम कैंडिडेट और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव का आज जन्मदिन है। एग्जिट पोल में महागठबंधन की सरकार बनती दिखने के बाद आरजेडी कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है लेकिन पार्टी ने साफ किया कि वह सोमवार को अपना जन्मदिन बेहद सादगी के साथ मनाएंगे। इस मौके पर पार्टी कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं करेगी। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से बधाई देने के लिए 10, सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास आने से भी मना किया गया है। तेजस्वी यादव के इस फैसले की जानकारी सभी पार्टीजनों को भी दी गई है। सभी शुभचिंतकों व समर्थकों से विनम्र अनुरोध है कि नेता प्रतिपक्ष श्री @yadavtejashwi जी के अपने जन्मदिन को सादगी से मनाने के निजी निर्णय का सम्मान करते हुए आप घर पर ही रहे और आवास आकर व्यक्तिगत रूप से बधाई देने से बचें।

**10 को मतगणना हेतु अपनी सजग उपस्थिति क्षेत्र में बनाए रखे।**

युवा राजद के प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बताया कि प्रत्येक साल युवा राजद तेजस्वी के जन्मदिन को युवा दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। इस बार भी कुछ वैसा ही उत्साह है। किंतु तेजस्वी नहीं चाहते कि जन्मदिन के बहाने मतगणना से पहले अनावश्यक रूप से लोग सड़कों पर निकल उत्साह मनाएं। इसलिए राजद नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि वह इस दिन को सादगी से मनाएं। तेजस्वी खुद भी अपने जन्मदिन पर कोई तामझाम नहीं करने जा रहे हैं। इसलिए किसी को राबड़ी देवी के आवास पर आकर शुभकामना देने की जरूरत नहीं है। मतगणना के दिन लोग अपने क्षेत्र में सक्रिय मौजूदगी बनाए रखें। सूत्रों का कहना है कि तेजस्वी ऐसा कुछ नहीं करना चाहते हैं, जिससे उनके कार्यकर्ता उत्साहित हो जाएं। इसीलिए उन्होंने चुनाव परिणाम को सादगी से स्वीकारने की हिदायत भी दी है। राजद ने विधानसभा चुनाव के नतीजों को लेकर सख्त निर्देश जारी किए हैं।

# बिहार चुनाव के नतीजे तय करेंगे असम, बंगाल में कांग्रेस की रणनीति

**नई दिल्ली।** बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम में अब बेहद कम वक्त बचा है। मंगलवार दोपहर तक तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी। इस चुनाव के नतीजे कई मायनों में बेहद अहम साबित होंगे। यह चुनाव भविष्य में बंगाल और असम में कांग्रेस की रणनीति तय करेंगे। इस चुनाव में पार्टी ने कई प्रयोग किए हैं, जिनका चुनावी राजनीति पर असर का आकलन परिणाम के बाद ही होगा।

2014 के लोकसभा चुनाव में शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस ने अपनी छवि बदलने की कोशिश की। गुजरात विधानसभा चुनाव में मुसलमान पार्टी के एजेंडे से बाहर रही। इसके बाद हुए कई दूसरे राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस मुसलमानों से जुड़े मुद्दों पर दूरी बनाती हुई नजर आई। हालांकि, 2019 के चुनाव में मिली हार के बाद पार्टी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया।

चुनाव प्रचार के दौरान कई बार धुव्रीकरण से जुड़े बयान आए, पर इसका चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ा। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटी के निदेशक डॉ संजय कुमार कहते हैं ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि राजद और कांग्रेस ने पहले ही चुनाव का एजेंडा तय कर दिया था।

बिहार चुनाव में कांग्रेस ने अपने परंपरागत वोट बैंक सवर्ण, मुस्लिम और दलित पर फोकस किया। वहीं, धुव्रीकरण के डर से पार्टी ने मुस्लिम मुद्दों को नहीं छोड़ा। चुनाव से ठीक पहले यूपी में डॉ कफील खान की रिहाई के लिए चलाई गई मुहिम हो या बिहार में जिन्ना विवाद से जुड़े मशकूर अहमद उस्मानी को टिकट देना। इसके साथ कई मुस्लिम प्रचारकों को भी मैदान में उतारा है।

चुनाव प्रचार के दौरान कई बार धुव्रीकरण से जुड़े बयान आए, पर इसका चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ा। सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटी के निदेशक डॉ संजय कुमार कहते हैं ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि राजद और कांग्रेस ने पहले ही चुनाव का एजेंडा तय कर दिया था। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान दोनों पार्टियों ने प्रचार को रोजगार पर केंद्रित रखा। असम में कांग्रेस इस बार मौलाना बदरुद्दीन अजमल की यूडीएफ के साथ चुनावी गठबंधन की तैयारी कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने यूडीएफ के साथ यह कहते हुए गठबंधन ने इनकार कर दिया था कि इससे भाजपा को सांप्रदायिक धुव्रीकरण करने में आसानी होगी। इस बार पार्टी यूडीएफ और दूसरी पार्टियों के साथ चुनाव लड़ने के लिए तैयार है।

**भाजपा अभी से हमलावर**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस को मुस्लिम मतदाताओं को नजरअंदाज करना आसान नहीं है, क्योंकि मुर्शिदाबाद और मालदा पार्टी का गढ़ माना जाता है। इन जिलों में मुस्लिम मतदाताओं की तादाद अच्छी खासी है। वहीं, भाजपा अभी से हमलावर है। बिहार में गठबंधन जीतता है, तो इससे कांग्रेस का सांप्रदायिक धुव्रीकरण का डर कम होगा।

## बाइडेन की जीत पर क्या है चीन में माहौल? सोशल मीडिया पर जानिए क्या लिख रहे लोग

**बीजिंग।** अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की सिर्फ अमेरिका ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में चर्चा है। भारत, चीन, पाकिस्तान समेत दुनियाभर के देशों की नजरें अमेरिका के नए राष्ट्रपति जो बाइडेन पर टिक गई हैं। चीन में भी जो बाइडेन की जीत चर्चा का विषय बनी हुई है। सोशल मीडिया पर चीन के लोग बाइडेन की जीत से जुड़े फोटोज, वीडियोज देख रहे हैं। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, रविवार दोपहर तक, ट्विटर जैसी चीन की माइक्रो ब्लॉगिंग वेबसाइट वीबो पर जो बाइडेन से जुड़े पोस्ट्स को 730 मिलियन व्यूज मिल चुके थे। यूजर्स लगातार बाइडेन को लेकर तरह-तरह की पोस्ट्स लिख रहे थे। एक वीबो यूजर ने लिखा, ''हर कोई अमेरिकी चुनाव के बारे में काफी कुछ लिख रहा है, लेकिन मुझे यह तक नहीं पता कि शंघाई का मेयर कौन है।'' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर कई कमेंट्स डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस छोड़ने से इनकार करने की संभावनाओं पर थे। एक अन्य यूजर ने लिखा, जब बाइडेन अगले साल जनवरी में व्हाइट हाउस में प्रवेश करेंगे तो उन्हें कई अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा और वह यह होगा कि डोनाल्ड ट्रंप को व्हाइट हाउस के बाहर कैसे ले जाएं सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जोकि अमेरिकी मतदाताओं की भावनाओं विभाजित की गई हैं थी। इस पोस्ट को रविवार दोपहर तक 81 मिलियन व्यूज मिल चुके थे। चीन के कॉमर्स मिनिस्ट्री के रिसर्चर मेई जिन्यू ने वी-चैट पर लिखा, यह बाइडेन की जीत है, चीन की नहीं। दीर्घकालिक दृष्टिकोण से, यह संभव है कि यह अमेरिका के लिए भी जीत नहीं होगी ... शांत हो जाओ, देखो और सोचो। आपको बता दें कि 78 वर्षीय डेमोक्रेट के उम्मीदवार जो बाइडेन ने हाल में हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के करीबी मुकाबले में डोनाल्ड ट्रंप को पराजित कर दिया। बाइडेन अमेरिका के इतिहास में राष्ट्रपति चुने जाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं।

## कोरोना संक्रमण के वैश्विक मामले पांच करोड़ पार, अब तक साढ़े 12 लाख मौतें

**नई दिल्ली।** वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। शनिवार को दुनियाभर में कुल मामलों की संख्या पांच करोड़ का आंकड़ा पार कर गई। कोरोना मामलों की निगरानी करने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के मुताबिक, रविवार शाम को कोरोना संक्रमण के मामले बढ़कर 5.03 करोड़ हो गए हैं। वहीं, रविवार शाम तक दुनियाभर में 12,58,235 लोगों की मौत हो चुकी थी। हालांकि, राहत की बात यह है कि वैश्विक स्तर पर महामारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3.56 करोड़ हो गई है। जबकि, रविवार शाम तक सक्रिय मामलों की संख्या 13,507,490 थी। वर्तमान में, मामलों में उछाल बड़े पैमाने पर अमेरिका और यूरोपीय देशों देखा जा रहा है, जो संक्रमण की दूसरी और तीसरी लहर की चपेट में हैं। अमेरिका में शनिवार को 24 घंटे में लगातार आठवें दिन एक लाख से अधिक संक्रमित सामने आए हैं। ब्रिटेन में शनिवार को 24,957 मामले सामने आए और 413 संक्रमितों की इलाज के दौरान मौत हो गई। जबकि फ्रांस में 86,852 नए मामले रिपोर्ट किए गए और 304 लोगों की मौत हुई। इनके साथ ही फ्रांस में कुल मामले 17,48,705 पार हो चुके हैं और कुल मौतों की संख्या 40,169 पार हो गई है। फ्रांस में रिपोर्ट किए गए 86,852

हालांकि, राहत की बात यह है कि वैश्विक स्तर पर महामारी से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3.56 करोड़ हो गई है। जबकि, रविवार शाम तक सक्रिय मामलों की संख्या 13,507,490 थी।

मामलों में कुछ पुराने मामले भी हैं, जिनकी संख्या अपडेट की गई है। इटली में 39,811 नए संक्रमित पाए गए हैं और 425 लोगों की मौत हुई है। जर्मनी में पिछले 24 घंटों के दौरान 16,017 नए मामले सामने आने के साथ ही कुल संक्रमितों की संख्या 6,58,505 हो गई है। जबकि रूस में 20,396 नए मामलों के साथ ही 364 नई मौतें सामने आई हैं।

## मरियम नवाज का इमरान खान पर हमला, बोलीं- जल्द ही गिरने वाली है 'फर्जी सरकार'

**गिलगित-बाल्टिस्तान।** पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान पर निशाना साधा है। उन्होंने दावा किया है कि इमरान खान दिन गिन रहे हैं और उनकी 'फर्जी सरकार' जल्द ही गिरने वाली है। दुनिया न्यूज के अनुसार, चिलास में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मरियम ने कहा कि 'फर्जी शासकों' के दिन खत्म हो चुके हैं और आखिरी धक्का 15 नवंबर को दिया जाएगा।

मरियम ने यह भी आरोप लगाया कि गिलगित-बाल्टिस्तान चुनावों से पहले भी वोटों की हेराफेरी हो रही थी, और लोगों को अपने वोटों की रक्षा करनी चाहिए। उन्हें चोरी होने से रोकना चाहिए। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष ने कहा कि गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग हिमालय के पहाड़ों जितने मजबूत हैं और यहां के लोगों ने हमेशा अच्छे और बुरे समय में पार्टी का समर्थन किया है।

मरियम ने यह भी आरोप लगाया कि गिलगित-बाल्टिस्तान चुनावों से पहले भी वोटों की हेराफेरी हो रही थी, और लोगों को अपने वोटों की रक्षा करनी चाहिए। उन्हें चोरी होने से रोकना चाहिए। पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष ने कहा कि गिलगित-बाल्टिस्तान के लोग हिमालय के पहाड़ों जितने मजबूत हैं और यहां के लोगों ने हमेशा अच्छे और बुरे समय में पार्टी का समर्थन किया है।

उन्होंने दावा किया कि विकास परियोजनाओं और इलाके से गुजरने वाली सड़कों को पीएमएल-एन युग के दौरान बनाया गया था। पाकिस्तान ने हाल ही में घोषणा की थी कि 15 नवंबर को गिलगित-बाल्टिस्तान विधानसभा के लिए चुनाव होंगे।

इमरान खान सरकार ने पहले इस क्षेत्र को अंतरिम प्रांत का दर्जा देने की घोषणा की थी, जिसका लोगों ने जमकर विरोध किया था। इमरान सरकार के इस फैसले के खिलाफ सिर्फ गिलगित-बाल्टिस्तान में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान के शहरों में भी जमकर लोगों ने विरोध प्रदर्शन किए थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

## अमेरिका में जीत

अमेरिका में जो बाइडेन का अगला राष्ट्रपति बनना न केवल दुनिया के लिए नया अध्याय है, बल्कि खूब उम्मीद जगाती खुशखबरी भी है। जीत के लिए जरूरी 270 का आंकड़ा पार करते ही बाइडेन की टीम नया अमेरिका बनाने के अभियान में जुट गई है, जबकि डोनाल्ड ट्रंप को हार स्वीकार करने में कुछ समय लगना स्वाभाविक है। स्पष्ट संकेत के लिए अमेरिका ही नहीं, पूरी दुनिया ने चार दिन से ज्यादा इंतजार किया। एक बड़ी आबादी को जहां ट्रंप की जीत का इंतजार था, वहीं ऐसे लोगों की भी संख्या कम नहीं है, जो अमेरिका में बदलाव की बाट जोह रहे हैं। कोई शक की बात नहीं, डोनाल्ड ट्रंप ने भी चुनाव में अच्छा प्रदर्शन किया है और बाइडेन को आने वाले दिनों में सीनेट और हाउस में कड़ी राजनीतिक टक्कर झेलनी पड़ेगी। डेमोक्रेट नेता का राष्ट्रपति बनना तय हो गया है, लेकिन डेमोक्रेट पार्टी अभी सीनेट और हाउस में बहुमत के आंकड़े तक नहीं पहुंची है। आने वाले दिनों में अमेरिका का संसदीय गणित स्थिर होने के बाद ही बाइडेन की क्षमता का सही अंदाजा लगेगा। खैर, डेमोक्रेट पार्टी ने चार साल बाद सत्ता में वापसी कर ली है और ट्रंप का विवाद भरा अध्याय संपन्न होने वाला है। हमारे लिए एक और बड़ी खुशी की बात है कि भारतीय मूल से ताल्लुक रखने वाली कमला हैरिस अमेरिका की उप-राष्ट्रपति बनने वाली हैं। अमेरिका के लंबे लोकतांत्रिक इतिहास में आज तक किसी महिला को यह गौरव हासिल नहीं हुआ था। पिछले राष्ट्रपति चुनाव में हिलेरी क्लिंटन को हार नसीब हुई थी, लोकप्रिय उम्मीदवार होने के बावजूद वह राष्ट्रपति बनने से वंचित रही थीं। कहीं न कहीं अमेरिकी मतदाताओं में यह एहसास भी होगा कि पिछली गलती को इस बार सुधार लेना है। कमला हैरिस के उप-राष्ट्रपति बनने से भारत या अफ्रीकी देशों को क्या लाभ होगा, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन फिलहाल अमेरिका को अपने नए इतिहास पर गर्व करने का मौका जरूर मिलना चाहिए। अमेरिकी राजनीति और समाज पर नस्लभेद के साथ-साथ लिंगभेद के भी आरोप लगते रहे हैं, अब अमेरिका एक सजग देश के रूप में खुद पर लगे इन दागों को धोने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है, तो उसका स्वागत है। कमला हैरिस के सामने भी अपने व्यवहार को उदार, प्रभावी, निष्पक्ष और न्यायपूर्ण बनाए रखने की चुनौती होगी। अगर वह अपनी छवि और राजनीति को सशक्त रख पाती हैं, तो कोई आश्चर्य नहीं, वह अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति बनने में भी कामयाब हो जाएंगी। बहरहाल, बाइडेन के सामने बड़ी चुनौती है कि वह दुनिया में अमेरिका की सिमटती भूमिका में कैसे सुधार करते हैं। ट्रंप की राजनीति कथित राष्ट्रवादी रही, इसकी वजह से वह अमेरिका की वैश्विक जिम्मेदारियों से पीछे हटते चले गए। विशेष रूप से जलवायु की चिंता और विश्व स्वास्थ्य संगठन से उनका पीछे हटना बड़ी भूल रही, जिसे सुधारना बाइडेन की प्राथमिकता होगी। बाइडेन के लिए स्वयं ट्रंप अनेक काम छोड़ जाएंगे। बाइडेन की परख इससे होगी कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वह पूरी ईमानदारी बरतें, दुनिया के विवादों में मनमर्जी के हस्तक्षेप व किसी तरह की सैन्य हिंसा से बचें। सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया बाइडेन के अमेरिका से यही उम्मीद करेगी कि वह दुनिया को शांति, न्याय, विकास और लोकतंत्र से नवाजे।

# संक्रमण काल से मुक्ति की राह तलाशिये

सुरेश सेठ

आज से तिहत्तर बरस पहले उस रात के बारह बजे गहन अंधेरे में गुलामी की बेड़ियों को तोड़ पंद्रह अगस्त के आगमन की घोषणा हुई। दिल्ली में हजारों की भीड़ के समक्ष हमारे जननायक ने अंधेरे को चीरकर एक स्पन्दित कर देने वाली सुबह की घोषणा की थी, सुनो, सन् सैंतालिस के पन्द्रह अगस्त के आने का गजर बज गया। अंधेरा छट गया, आजादी का सूरज अपनी समतावादी समाज बना देने की घोषणा के साथ आपके घर द्वार की चौखट पर दस्तक दे रहा है। आधी रात के घुप अंधेरे में नयी रोशनी का सवेरा हो गया। अब प्रेमचंद के कथा पात्रों में घीसू और माधव पर मानवीयता की लालिमा लौटेगी। अब कफन बेच उसके पैसों से चिरसंचित इच्छाओं की पूर्ति घीसू और माधव को करने की नौबत नहीं आयेगी। होरी का भाग्य बदलेगा। साथ ही स्थापित होगी लोकतंत्र की वह परिकल्पना, जहां ऊंचे चौबारे और टूटते फुटपाथ गलबहियां डाल उसी सम्मान से जीने का स्वागत करेंगे। फिर आजादी की पौन सदी गयी। आम आदमी द्वारा वोटों की सहायता से ईवीएम के बटन को दबा कोरोना की दूसरी लहर के लौट आने की दहला देने वाली घोषणाओं के बीच संपन्न हुए बिहार के पहले चरण में सामाजिक अन्तर की एहतियात को रखते हुए लोकतंत्र से बदलाव के प्रति प्रतिबद्धता का वही नजारा पेश हो रहा है, जो उसने सन् 2015 के पिछले विधानसभा चुनाव में पेश किया था। 2019 के लोकसभा चुनाव में पेश किया था और अब मास्क ओढ़ अनुशासन रख सामाजिक अन्तर बना बिल्कुल उतने ही पचास प्रतिशत से अधिक वोटरों का मतदान केंद्रों में निकल आना, उस बदलाव की आकांक्षा थी कि जिसमें नेतागण दावा संस्कृति को विदा दे जिंदगी बदल देने का अहसास उसे भेंट कर देंगे। लेकिन ऐसा होता क्यों नहीं? नव निर्माण की जो परिकल्पना साल-दर-साल उसे भेंट की जाती है, वह क्यों अपने आधे-अधूरेपन के साथ उसे कोरे भाषणों की वाचालता, आधे अधूरेपन में ठिठके हुए जीवन के गतिरोध उसे भेंट कर जाती है? पौन सदी की इस आजादी की विकास यात्रा में आंकड़ों का सत्य क्यों इसके जीवन सत्यों में तबदील नहीं हो पाता? इस बरस तो देश में आर्थिक परिवर्तन के सपने और उसके द्वारा दस प्रतिशत आर्थिक विकास दर प्राप्त कर स्वतःस्फूर्त हो जाने के दावे भी आकाश कुसुम हो गये। कहां तो देश के हर प्राणी को रोजी, रोटी और काम का अधिकार देने का वादा था और कहां महामारी के प्रकोप के इन दहला देने वाले दिनों में बेकारी बढ़ने के आंकड़े पिछले पैंतालिस बरसों के शीर्ष को पछाड़ देने की धमकी दे रहे हैं। कोरोना का लॉकडाउन पूर्ण बन्दी से राहतों का अनलॉक पांच बनकर भी आज देश के साधारण जन, कामगार, मजदूर, किसान को बेकारी की अपंगता से मुक्ति का अहसास नहीं दे पा रहा। कोरोना की पहली लहर अभी विदा नहीं हुई और दूसरी के लौटने के भयावह चर्चे शुरू हो गये। अब आर्थिक विकास दर की गिरावट और सकल घरेलू उत्पादन में तेईस प्रतिशत की कमी का डरावना सत्य सामने ला रही है। भूख को लंगर की अनुकम्पा और उत्सव-त्योहारों के महीनों की मांग बोनस, ब्याज रहित दस हजार के ऋण और एलटीसी के नकद भुगतान से अर्थव्यवस्था को जिलाने की कोशिश होती है, लेकिन मंडियों का मन्दा रुख फिर भी करवट नहीं बदलता। बिना दवाई कोरोना को थका कर हटा देने वालों द्वारा अपनी पीठ थपथपा देने की आज कमी नहीं। अचानक लॉकडाउन की सख्ती के दो महीनों की जिस आर्थिक गतिविधि ने सबको निष्प्राण कर दिया था, वह निस्संदेह आज करवट बदलना चाहती है। इस देश के सामान्य जन की जिजीविषा एक नयी संस्कृति को जन्म देना चाहती है, लेकिन परिस्थितियां जन-जन को आज भी सामान्य और सहज क्यों नहीं लगती। कोरोना की लहर के इन छह महीनों में बुनियादी उद्योगों से लेकर हर व्यवसाय और उद्यम के पतन के आंकड़ों के बावजूद भारतीय किसान की मेहनत ने लहलहाती फसलों का रूप लेकर देश को रोग के दुर्भाग्य के साथ भूख और अकाल के वज्रपात से बचाया। आज वही किसान केंद्र द्वारा पारित नये किसान कानूनों के मकड़जाल से आतंकित तीखे तेवरों के साथ आंदोलन के मैदान में उतर आया है। अगर आज हमें अपनी जड़ों की ओर लौटना है, क्षरित होते ग्रामीण भारत को एक नया जीवन देना है तो उनके साथ एक गरिमापूर्ण संवाद की स्थिति पैदा करनी होगी।

उनकी इन आशंकाओं को तिरोहित करना होगा कि देश को पूंजीपतियों के पास गिरवी नहीं रखा जा रहा है। भारत के कर्णधार अगर देश के जन-जन के लिए नये सुविधापूर्ण जीवन की संरचना करना चाहते हैं, उन्हें गरीबी रेखा के दुर्भाग्य से बाहर निकाल, उनकी मेहनत के प्रतिदान के रूप में रोजी-रोटी का उपहार देना चाहिए ताकि वह देश की फ्री राशन की दुकानों के बाहर कतार में खड़ा न रहे। सहकारी उद्यम, मिश्रित अर्थव्यवस्था को विदा देकर, निजीकरण की चकाचौंध में उसे कार्पोरेट क्षेत्र की भुलभुलैया में भटकने के लिए विवश किया जाने लगा। कोरोना प्रकोप के इन दिल हिला देने वाले प्रभावों ने जीवन में बदलाव के प्रति एक अजब उदासीनता जीवन पथ से उखड़े हुए इन लोगों में भर दी। नयी नौकरियों को पैदा करने के वादे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को पुनर्जीवित करने की लाखों करोड़ रुपये की आर्थिक अनुकम्पा की घोषणा से किये गये थे। सहज ऋण के मौद्रिक नीति परिवर्तन और नयी आर्थिक अनुकम्पा के स्पष्ट संकेत इसकी बैसाखी बनना चाह रहे थे। लेकिन अनुकम्पा बेअसर हो रही है। सहज साख, ऋण नीति उद्यम और व्यवसाय में नये उत्साह का संदेश नहीं बन पायी? ग्रामीण भारत का पुनर्जागरण बाधित रेल और सड़क परिवहन की गतिहीनता का बन्दी बन रहा है। देश अगर विकास संस्कृति को प्रतिबद्ध है तो क्यों नहीं समझा जाता कि इसमें कोई निर्णय अंतिम नहीं होता। इसके संशोधन के लिए निरंतर संवाद और संशोधन की आवश्यकता रहती है। 'मैं न मानूं' का यह हठ किसी काम का नहीं, चाहे वह गद्दी के दम्भ ने पैदा किया हो, या आंदोलन के विद्रोही तेवरों ने। महामारी के झंझावात स्थायी न हों क्योंकि ये ग्रामीण अंचलों और निरंतर विस्तृत होते निम्न मध्य वर्ग के गलियारों में से प्रेमचंद के गोदान के 'होरी' और कहानी कफन के 'घीसू और माधव' के जिन्दा रहने को स्थायी सत्य बना रहे हैं। फणीश्वर नाथ रेणु के 'मैला आंचल' के पात्र बावन दास के अच्छे दिन लाने की आवाज आज भी क्यों प्रभावहीन है? आर्थिक सत्यों की मीमांसा तो यह कहती है कि कोरोना महामारी के इन दुर्दिनों में देश का धनी वर्ग जो दस प्रतिशत से अधिक नहीं है, और भी धनी हो गया। सबसे अधिक तरक्की फार्मा उद्योग ने की जो आपको महामारी की सटीक दवा देने के वादों के साथ अपनी सम्पदा में सत्तर प्रतिशत वृद्धि पा गया है। संक्रमण की आशंका से संत्रस्त देश के नये-पुराने बेरोजगार काम नहीं, खैरात की कतार में खड़े नजर आते हैं। अच्छे दिन आने का बरसों से इंतजार करते हुए देश के लिए यह कोई सुखद स्थिति नहीं।

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

## आज के ट्वीट

### योजना

**गांव में रहने वाले लोगों को, गांव की जमीन, गांव के घर का, कानूनी अधिकार देने के लिए 'स्वामित्व योजना' शुरू की गई है। गाँवों में घर मकान को लेकर जो विवाद होते थे, इस योजना से मिले प्रॉपर्टी कार्ड के बाद, उनकी गुंजाइश नहीं रह जाएगी: पीएम**

ज्ञान गंगा

## तप साधना

श्रीराम शर्मा आचार्य

संसार को, मानव जाति को सुखी और समुन्नत बनाने के लिए अनेक प्रयत्न हो रहे हैं। उद्योग- धंधे, कल-कारखाने, रेल, तार, सड़क, बांध, स्कूल, अस्पतालों आदि का बहुत कुछ निर्माण कार्य चल रहा है। इससे गरीबी और बीमारी, अशिक्षा और असभ्यता का बहुत कुछ समाधान होने की आशा की जाती है; पर मानव अन्तःकरणों में प्रेम और आत्मीयता का, स्नेह और सौजन्य का आस्तिकता और धार्मिकता का, सेवा और संयम का निर्झर प्रवाहित किए बिना, विश्व शान्ति की दिशा में कोई कार्य न हो सकेगा। जब तक सन्मार्ग की प्रेरणा देने वाले गांधी, दयानन्द, शंकराचार्य, बुद्ध, महावीर, नारद, व्यास जैसे आत्मबल सम्पन्न मार्गदर्शक न हों, तब तक लोक मानस को ऊंचा उठाने के प्रयत्न सफल न होंगे। लोक मानस को ऊंचा उठाए बिना पवित्र आदर्शवादी भावनाएं उत्पन्न किये बिना लोक की गतिविधियां ईर्ष्या-द्वेष, शोषण, अपहरण आलस्य, प्रमाद, व्यभिचार, पाप से रहित न होंगी, तब तक क्लेश और कलह से, रोग और दारिद्र से कदापि छुटकारा न मिलेगा। लोक मानस को पवित्र, सात्विक एवं मानवता के अनुरूप, नैतिकता से परिपूर्ण बनाने के लिए जिन सूक्ष्म आध्यात्मिक तरंगों को प्रवाहित किया जाना आवश्यक है, वे उच्चकोटि की आत्माओं द्वारा विशेष तप साधन से ही उत्पन्न होंगी। मानवता की, धर्म और संस्कृति की यही सबसे बड़ी सेवा है। आज इन प्रयत्नों की तुरन्त आवश्यकता अनुभव की जाती है, क्योंकि जैसे-जैसे दिन बीतते जाते हैं असुरता का पलड़ा अधिक भारी होता जाता है, देरी करने में अति और अनिष्ट की अधिक सम्भावना हो सकती है। समय की इसी पुकार ने हमें वर्तमान कदम उठाने को बाध्य किया। यों जबसे यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न हुआ, 6 घण्टे की नियमित गायत्री उपासना का क्रम चलता रहा है; पर बड़े उद्देश्यों के लिए जिस सघन साधना और प्रचंड तपोबल की आवश्यकता होती है, उसके लिए यह आवश्यक हो गया कि 1 वर्ष ऋषियों की तपोभूमि हिमालय में रहा और प्रयोजनीय तप सफल किया जाय। इस तप साधना का कोई वैयक्तिक उद्देश्य नहीं। स्वर्ग और मुक्ति की न कभी कामना रही और न रहेगी। अनेक बार जल लेकर मानवीय गरिमा की प्रतिष्ठा का संकल्प लिया है, फिर पलायनवादी कल्पनाएं क्यों करें।

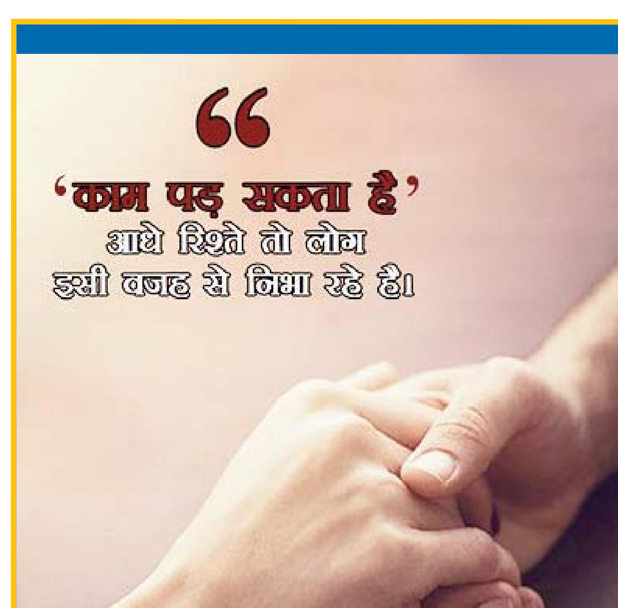


## आज का राशिफल

**मेष** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

**वृषभ** सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं।

**मिथुन** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से धन लाभ के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

**कर्क** संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**सिंह** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**कन्या** आर्थिक योजना फलीभूत होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भारी व्यय की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

**तुला** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे।

**वृश्चिक** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

**धनु** व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाद विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

**मकर** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक व्यय हो सकता है।

**कुम्भ** प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

**मीन** रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलेगी। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

# मस्तिष्क की स्वच्छता से जीवन में उजास

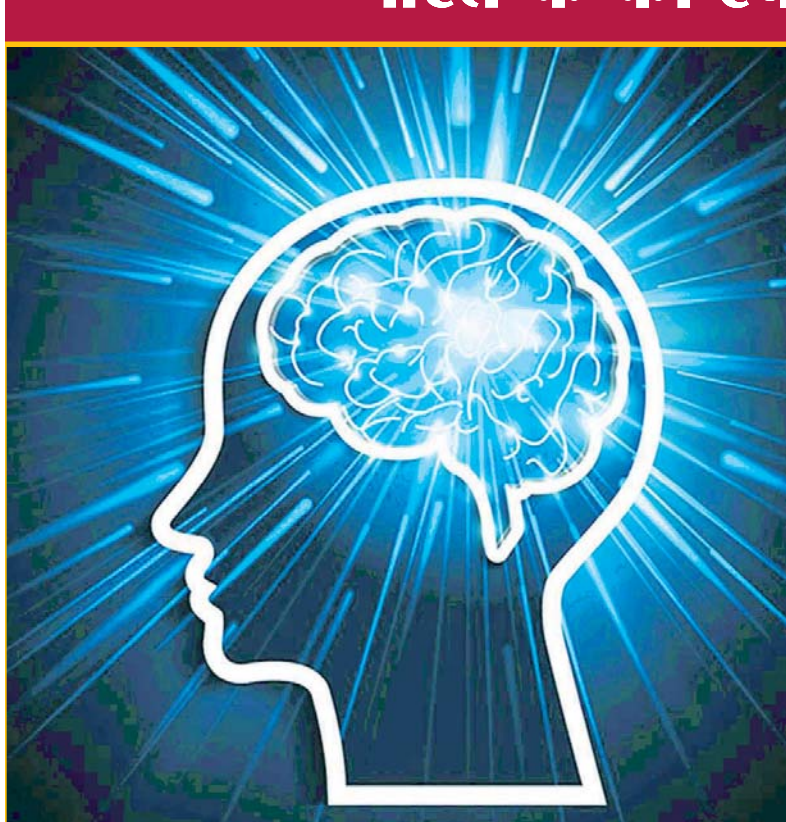

रेनू सैनी

दीवाली के अवसर पर घरों की साफ-सफाई की जाती है। इस दौरान रद्दी जैसे सामान को घर से बाहर कर दिया जाता है लेकिन अगले साल फिर वही होता है कि दोबारा से रद्दी हमारे घरों में अपना स्थान बना लेती है। आखिर ऐसा क्यों हो गया है कि रद्दी को जमा करने की हमारी आदत सी बन गई है। इस संबंध में साइकोलॉजी की प्रोफेसर रैंडी ओ फॉरेस्ट कहती हैं, 'हम कई कारणों से पुराना सामान नहीं छोड़ पाते। कुछ से हमारी भावनाएं जुड़ी होती हैं। कभी लगता है कि वे आगे काम आ जाएंगी। बाद में सामान रद्दी हो जाता है।' ऐसा केवल घर के सामान के साथ ही नहीं होता, बल्कि हमारे मस्तिष्क के अंदर भी होता है। हम घर की रद्दी को तो फिर भी दीवाली आने पर एक बार साफ कर देते हैं लेकिन मन के अंदर जमा रद्दी को तो साफ करने का नाम ही नहीं लेते। कम्प्यूटर में गीगो प्रोग्रामिंग होती है। इसका अर्थ होता है, 'गारबेज इन, गारबेज आउट।' अर्थात अगर इनपुट गलत या खराब होगी तो परिणाम भी गलत और खराब ही होंगे। हम कम्प्यूटर में गलत प्रोग्राम डालकर उससे सही जवाब की इच्छा करेंगे तो वह मूर्खता के अतिरिक्त कुछ नहीं है। इसी तरह यदि हम अपने घर में भी बेकार के सामान का ढेर लगाते जाएंगे तो उससे हमें ऊर्जा एवं सक्रियता के स्थान पर बोझिलता ही मिलेगी। यही बात मन के घर यानी कि मस्तिष्क के साथ है। इस बात पर गौर करने की आवश्यकता है कि दीवाली के अवसर पर जब हम घर से रद्दी एवं अनावश्यक सामान को बाहर कर देते हैं तो घर के अंदर नवीनता एवं खिले-खिले घर का बोध होता है। सोचिए यदि हम अपने अंतर्मन से भी रद्दी बाहर कर दें तो फिर जिस सुख की अनुभूति होगी वह अनुपम होगी। मन के अंदर रद्दी प्रतिशोध, ईर्ष्या, बेईमानी, जुगुप्सा, प्रतिस्पर्धा के कारण उत्पन्न होती है। हमें लगता है कि हम ऐसा करके दूसरे को परेशान एवं स्वयं को संतुष्ट कर रहे हैं जबकि होता इसके विपरीत है क्योंकि कई बार दूसरे व्यक्ति को तो इस बात का आभास ही नहीं होता कि हमारे अंतर्मन में उसके प्रति क्या चल रहा है? ऐसे में वह व्यक्ति तो सामान्य रहता है लेकिन हम असामान्य बनते जाते हैं। वहीं यदि हम अपने मन में रद्दी जमा नहीं करते हैं और लोगों की आलोचनाओं को सुनकर उन्हें मन के कोने में इकट्ठा न कर लगातार अपने काम पर फोकस करते रहते हैं तो फिर लाख मुसीबतें और बाधाएं भी हमारी ऊर्जा और आत्मविश्वास को कम नहीं कर पातीं। मेरी के ऐश टेक्सास के हॉट वेल्स में जन्मी थी। किशोरावस्था से ही उनका ध्यान व्यवसाय की ओर मुड़ गया था। अनुभव ग्रहण करने के लिए उन्होंने स्टेनली होम प्रोडक्ट्स नामक कम्पनी में काम करना आरंभ कर दिया। यहां पर उन्हें अधिक सक्रिय, मेहनती होने पर भी महिला होने के कारण नज़रअंदाज कर दिया जाता था। पुरुष उन्हें बात-बात में प्रताड़ित करते थे। ऐश को लोगों की ऐसी बातें सुनकर तकलीफ तो होती थी लेकिन वे उनकी तकलीफों को अपने मस्तिष्क में बिल्कुल स्थान नहीं देती थी। एक दिन कम्पनी ने उनके जूनियर सहयोगी पुरुष को जिसे उन्होंने ही ट्रेनिंग दी थी, उसका सुपरवाइजर बना दिया और उन्हें मात्र इसलिए प्रमोशन नहीं दिया क्योंकि वह एक महिला थी। इस पर लोगों ने उनका बहुत मज़ाक उड़ाया। उन्होंने सोचा कि मैं अपने साफ सुथरे मस्तिष्क से ऐसी दिशा बनाऊंगी कि सदियों तक मेरा उदाहरण दिया जाता रहेगा। इसके बाद उन्होंने एक ऐसी 'ड्रीम कम्पनी' बनाने की सोची जो महिलाओं के लिए आदर्श हो। उन्होंने अपनी सारी जमा पूंजी लेकर कॉस्मेटिक्स का कारोबार करने का निश्चय कर लिया। दुर्भाग्य से कम्पनी के खुलने से एक महीना पहले कानूनी और वित्तीय तौर पर मदद कर रहे उनके पति की हार्ट अटैक से मृत्यु हो गई। सभी ने उन्हें सुझाव दिया कि अब वह अपनी कम्पनी बनाने का विचार छोड़ और कहीं नौकरी कर लें।

लेकिन ऐश ने लोगों के मानसिक विकारों की रद्दी को अपने मस्तिष्क में जगह नहीं दी। उन्होंने 13 सितम्बर, 1963 को डलास में मेरी के कॉस्मेटिक्स की शुरुआत की। पहले चार महीने के भीतर उनकी कम्पनी ने 34,000 डॉलर की कीमत के उत्पादों की बिक्री की। एक साल के भीतर बिक्री 8,00,000 डॉलर तक पहुंच गई। अब उनकी सेल्स टीम में तीन हजार कंसलटेंट शामिल थे। ऐश अच्छा प्रदर्शन करने वाले कंसलटेंट को गहने और महंगी कारों के तोहफे देती थी। 2011 में मेरी के सीधी बिक्री करने वाली दुनिया की छठी सबसे बड़ी कम्पनी बन गई। फॉर्चून पत्रिका ने इस कम्पनी को अमेरिका में काम करने के लिए 100 सबसे अच्छी कम्पनियों में तीन बार शामिल किया। इस तरह ऐश ने दुनिया को यह दिखा दिया कि यदि आप लोगों की नकारात्मक बातें सुनकर अपने दिमाग में कचरा जमा न करें तो फिर दुनिया की कोई ताकत सफल होने से नहीं रोक सकती। इस दीवाली यदि हम सभी अपने घर की रद्दी के साथ मस्तिष्क के कचरे को बाहर निकाल दें तो घर के साथ ही मन-मस्तिष्क में भी असंख्य दीप जगमगा उठेंगे।

## ल्यूपिन की अनुषंगी सोमरसेट को अमेरिकी दवा नियामक ने 13 बिंदुओं पर काम करने के लिए कहा

**नयी दिल्ली,** अमेरिकी खाद्य एवं दवा नियामक (यूएसएफडीए) ने ल्यूपिन की अनुषंगी सोमरसेट के न्यू जर्सी स्थित संयंत्र का निरीक्षण करने के बाद उसे 13 बिंदुओं पर सुधार करने के लिए कहा है। शेयर बाजार को दी जानकारी में ल्यूपिन ने सोमवार को बताया कि यूएसएफडीए ने 10 सितंबर 2020 से पांच नवंबर 2020 तक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में इतना वक्त लगने की वजह कोविड-19 से जुड़ी देरी और चुनौतियां हैं। इस निरीक्षण के बाद यूएसएफडीए ने 13 बिंदुओं पर काम करने के लिए कहा है। कंपनी ने कहा, '' हम इन बिंदुओं पर काम करने को लेकर आश्वस्त हैं और नियामक के साथ मिलकर उनकी चिंताओं को दूर कर रहे हैं।'' ल्यूपिन ने कहा कि इससे उसकी आपूर्ति या इस संयंत्र की परिचालन आय पर कोई प्रभाव पड़ने का अंदेशा नहीं है। यह संयंत्र उसके वैश्विक राजस्व में पांच प्रतिशत से भी कम योगदान देता है।

## इंडिया मोबाइल कांग्रेस का वर्चुअल आयोजन 8-10 दिसंबर तक

**नयी दिल्ली.** इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) का आयोजन वर्चुअल तरीके से 8-10 दिसंबर तक किया जाएगा। यह दूरसंचार क्षेत्र का सरकार के समर्थन वाला कार्यक्रम है। सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) के महानिदेशक एस पी कोचर ने सोमवार को इस आयोजन की तिथियों की घोषणा करते हुए कहस कि इसमें भारी भागीदारी की उम्मीद है। दूरसंचार सचिव अंशु प्रकाश ने कहा कि इस बात को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे कि क्या यह कार्यक्रम 2020 में आयोजित हो पाएगा। उन्होंने कहा कि चुनौतियों के साथ यह कार्यक्रम अवसर भी प्रदान करता है। प्रकाश ने कहा कि दूरसंचार विभाग आईएमसी-2020 सफल बनाने के लिए पूरा समर्थन उपलब्ध कराएगा। दूरसंचार सचिव ने कहा, ''मुझे बताया गया है कि यह दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा प्रौद्योगिकी आयोजन है। हमें इस पर आगे बढ़ना है। दूरसंचार विभाग कम से कम 30 लघु एवं मझोले उपक्रमों (एसएमई) तथा स्टार्ट-अप कंपनियों का इस आयोजन में भागीदारी के लिए वित्तपोषण कर रहा है। सीओएआई के चेयरमैन अजय पुरी ने कहा कि दुनियाभर से वरिष्ठ कार्यकारी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। कोचर ने कहा कि इस कार्यक्रम में 15,000 से अधिक भागीदारों के भाग लेने की उम्मीद है। इस मौके पर संचार राज्यमंत्री संजय धोत्रे ने वीडियो संदेश में कहा पिछले छह साल के दौरान बेस स्टेशनों की संख्या में 220 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और आज मोबाइल टेलीफोनी देश के कोने-कोने में पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि आईएमसी-2020 में प्रौद्योगिकी से जुड़ी पहल को प्रदर्शित किया जाएगा।

## एनएसई अगले महीने से शुरू करेगा पहला कृषि जिंस वायदा अनुबंध

**नयी दिल्ली,** नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने एक दिसंबर से कच्चे सोयाबीन तेल के लिए पहला कृषि जिंस वायदा अनुबंध शुरू करने की घोषणा की है। एनएसई ने सोमवार को बयान में कहा कि इस अनुबंध से देश और विदेश में सोयाबीन प्रसंस्करण और संबद्ध उद्योगों में मदद मिलेगी। यह इसकी कीमतों के प्रबंधन के लिए एक बेहतर हेजिंग माध्यम होगा। यह मासिक मियाद और नकद में निपटान वाला वायदा अनुबंध होगा। इसमें कारोबार का आकार 10 टन होगा और कीमतें कांडला पर आधारित होंगी। एनएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विक्रम लिमये ने कहा कि एक्सचेंज भारतीय जिंस बाजारों को गहराई प्रदान को प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''भारत दुनिया का खाद्य तेलों का सबसे बड़ा उपभोक्ता है। ऐसे में कच्चे सोयाबीन तेल के लिए भी एक उचित व्यवस्था की जरूरत है।'' सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने कहा कि एक्सचेंज में कारोबार वाले डेरिवेटिव्स अनुबंध काफी उपयोगी माध्यम हैं, जो मूल्य जोखिम प्रबंधन को सुविधाजनक बनाते हैं। इससे उद्योग के लिए सुगमता होती है।

# भविष्य में बदलेगी परिवहन व्यवस्था: पुरी

**नई दिल्ली (एजेंसी):**

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भविष्य में परिवहन व्यवस्था में भारी बदलाव पर जोर देते हुए सोमवार को कहा है कि यह पर्यावरण के अनुकूल, एकीकृत, स्वचलित और मांग पर आधारित होनी चाहिए। पुरी ने यहां सेमिनार '13वीं अर्बन मोबिलिटी इंडिया - शहरी परिवहन के उभरते चलन' को संबोधित करते हुए कहा कि बड़े शहरों में नई तरह की परिवहन व्यवस्था की जरुरत होगी। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त होने के साथ साथ पर्यावरण के अनुकूल होगी और मांग पर आधारित होगी। इस अवसर पर फ्रांस के परिवहन मंत्री ज्यां बापटिस्ट जेबारी, प्रो. यान गेहल,डा. क्लाउडिया वार्निंग और मंत्रालय में सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद देश में परिवहन व्यवस्था और लोगों की आदतों में भारी बदलाव की संभावना है। यह एक चुनौती के साथ साथ एक अवसर भी है जिसके लिए दीर्घकालीन रणनीति बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार परिवहन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही है। सेमिनार में जनता को पहुंच के भीतर और सुगम परिवहन मुहैया कराने में कोविड-19 महामारी की चुनौतियों पर विशेष रुप से चर्चा की गयी।

इसका मुख्य बिंदु जनता को उसकी पहुंच के भीतर और सुगम परिवहन सुविधा मुहैया कराने में कोविड-19 महामारी की चुनौतियों और उससे निपटने के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नवीन उपाय करने पर ध्यान केन्द्रित करना है। अभी तक इस तरह के 12 सेमिनार आयोजित किए जा चुके हैं। इन सेमिनारों में भागीदारी के जरिए राज्य सरकारों, शहरी प्रशासनों और अन्य भागीदारों को काफी लाभ हुआ है। भारत में तेज शहरीकरण होना 21वीं सदी की एक बड़ी सच्चाई है, जिसने देश को दुनिया की सबसे तेजी से उभरती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है। परिवहन क्षेत्र शहरी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण घटक है। सभी मुद्दों को हल करने के लिए आवास और शहरी कार्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति-2006 (एनयूटीपी) जारी की है। इस नीति का उद्देश्य हमारे शहरों के भीतर रहने वालों की बढ़ती संख्या, नौकरियों, शिक्षा, मनोरंजन और ऐसी अन्य सभी जरूरतों के लिए सुरक्षित, सस्ती, त्वरित, आरामदायक, विश्वसनीय और टिकाऊ पहुंच उपलब्ध कराना है।

## बीओसी ने इंडिगो को पहला एयरबस ए321निओ विमान सौंपा

**सिंगापुर।** बीओसी एविएशन लिमिटेड ने इंडिगो को पहला एयरबस ए321निओ विमान सौंप दिया है। इंडिगो को यह विमान पट्टे पर दिया गया है। इस तरह के चार विमान इंडिगो को दिये जायेंगे। इस विमान में सीएफएम लीप इंजन लगे हैं। बीओसी एविएशन ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी है। बीओसी एविऐशन के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी राबर्ट मार्टिन ने कहा, 'हम भारत की सबसे बड़ी यात्री एयरलाइन इंडिगो को चार में से पहला एयरबस ए321निओ विमान सौंपकर बहुत प्रसन्न हैं। इंडिगो के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने का अवसर पाकर भी हम प्रसन्न हैं।'

## दिल्ली में सर्दियों में बिजली की मांग 5,400 मेगावाट के रिकार्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान

**नयी दिल्ली,** दिल्ली में सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है। इसके साथ ही सर्दियों के इस मौसम में बिजली की मांग 5,400 मेगावाट की रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। बिजली वितरण कंपनियों के अधिकारियों ने सोमवार को यह कहा। सर्दियों के मौसम में पिछले साल दिल्ली में एक जनवरी 2020 को सर्वाधिक मांग 5,343 मेगावाट रही थी। दिल्ली के एक हिस्से में बिजली की आपूर्ति करने वाली कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन (टीपीडीडीएल) के प्रवक्ता ने कहा कि सर्दियों के इस मौसम में उसकी शीर्ष मांग 1,700 मेगावाट तक पहुंचने का अनुमान है। टीपीडीडीएल उत्तरी और उत्तर पश्चिम दिल्ली में बिजली की आपूर्ति करती है। भारतीय मौसम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक सर्दियों के इस मौसम में न्यूनतम तापमान एक साल पहले के मुकाबले तुलनात्मक रूप से कम रहेगा। दिल्ली में सर्दियों की मांग में 40 प्रतिशत हिस्सा गीजर और हीटर की मांग का होता है।

टीपीडीडीएल ने कहा है कि कंपनी इस मांग को पूरा करने के लिये पूरी तैयारी में है।

# अक्टूबर में पैसेंजर कारों की रिटेल बिक्री 9% गिरी, टूव्हीलर सेल्स को 27% का झटका

**नई दिल्ली (एजेंसी):**

अक्टूबर माह में यात्री कारों की खुदरा बिक्री साल दर साल आधार पर 8.8 फीसदी घटकर 2,49,860 यूनिट रह गई। आपूर्ति संबंधी मुद्दों के चलते वाहनों का रजिस्ट्रेशन धीमा पड़ा है। यह बात फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने कही है। फाडा के मुताबिक, यात्री कारों की बिक्री एक साल पहले अक्टूबर 2019 में 2,73,980 यूनिट रही थी। फाडा देशभर के 1,464 क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों में से 1,257 कार्यालयों से व्हीकल रजिस्ट्रेशन के आंकड़े जुटाती है। टूव्हीलर्स की बिक्री की बात करें तो यह पिछले माह 26.82 फीसदी घटकर 10,41,682 यूनिट रह गई। एक साल पहले अक्टूबर 2019 में यह बिक्री 14,23,394 वाहन की रही थी। कमर्शियल व्हीकल्स की बिक्री भी 30.32 फीसदी घटकर 44,480 यूनिट रह गई। एक साल पहले इसी माह में बिक्री 63,837 वाहन रही थी। इसी तरह थ्रीव्हीलर्स की बिक्री भी अक्टूबर में 64.5 फीसदी घटकर 22,381 वाहन रही। एक साल पहले इसी माह अक्टूबर में यह बिक्री 63,042 यूनिट रही थी। हालांकि, इस दौरान ट्रैक्टर की बिक्री 55 फीसदी बढ़कर 55,146 यूनिट तक पहुंच गई। एक साल पहले इसी माह के दौरान यह बिक्री 35,456 यूनिट रही थी। कुल मिलाकर पिछले माह सभी तरह के वाहनों की बिक्री एक साल पहले के इसी माह के मुकाबले 23.99 फीसदी घटकर 14,13,549 यूनिट रही। वहीं एक साल पहले अक्टूबर में यह 18,59,709 यूनिट रही थी। फाडा के अध्यक्ष विंकेश गुलाटी ने बिक्री आंकड़ों के बारे में कहा कि नवरात्रि के दौरान वाहनों के बिक्री रजिस्ट्रेशन में तेजी रही लेकिन इसके बावजूद अक्टूबर माह में वाहनों की बिक्री पिछले साल इसी माह के मुकाबले कम ही रही। हालांकि पिछले साल नवरात्रि, दिवाली अक्टूबर माह के दौरान ही पड़ी थीं। गुलाटी ने कहा कि नये वाहनों को लेकर अच्छी मांग रही लेकिन एंट्री लेवल मोटरसाइकिल को लेकर मांग कमजोर ही रही। स्थानीय सामान के आवागमन को लेकर जहां छोटे कमर्शियल वाहनों को लेकर अच्छी मांग रही, वहीं मध्यम और हैवी कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में लगातार भारी गिरावट रही। फाडा ने सरकार से आग्रह किया है कि वह जल्द ही प्रोत्साहन आधारित वाहन की कबाड़ नीति की घोषणा करे। संगठन ने सरकार से यह भी आग्रह किया कि जिन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स को उसने ठेके पर दे दिया है उनके लिए वह कोष जारी करे। सरकार के ऐसा करने से मांग बढ़ेगी और वाहनों का उत्पादन भी बढ़ेगा।

## मैजिकब्रिक्स ने शुरू की किरायेदार सत्यापन, किराया समझौता, भुगतान सेवाएं

**नयी दिल्ली,** रियल्टी पोर्टल मैजिकब्रिक्स ने अपने मंच पर किरायेदार सत्यापन, किराया समझौता और भुगतान जैसी सेवाएं शुरू की हैं। कंपनी ने सोमवार को कहा कि इससे मकान मालिक और किरायेदार दोनों को मदद होगी। मैजिकब्रिक्स डॉट कॉम की मालिक मैजिकब्रिक्स रियल्टी सर्विसेसहै। यह टाइम्स ऑफ इंडिया समूह की डिजिटल इकाई टाइम्स इंटरनेट की अनुषंगी कंपनी है। कंपनी ने एक बयान में कहा, '' किरायेदार सत्यापन और किराया समझौता जैसी सेवाओं के लिए शुल्क 499 रुपये से शुरू है। वहीं किरायेदार मैजिकब्रिक्स पे रेंट मंच का उपयोग कर अपने मकान मालिकों को 45,000 रुपये तक किराये का भुगतान कर सकते हैं। यह भुगतान क्रेडिट कार्ड से किया जा सकता है जिससे वह रिवार्ड पॉइंट कमा सकते हैं।'' इससे पहले मैजिकब्रिक्स अपने मंच पर घरों को कीटाणुमुक्त बनाने (सैनिटाइज), पेस्ट कंट्रोल और आवास ऋण जैसी सेवाओं की शुरुआत कर चुकी है।

# बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर, सेंसेक्स 704 अंक उछला

**मुंबई (एजेंसी)**

वैश्विक स्तर पर मजबूत रुख के बीच बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 704 अंक उछलकर नये रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। अमेरिकी में राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन की जीत के बाद निवेशक व्यापार रिश्तों में सुधार तथा अधिक प्रोत्साहन उपायों की उम्मीद कर रहे हैं। शेयर बाजारों में लगातार छठे कारोबारी सत्रों में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 704.37 अंक यानी 1.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 42,597.43 अंक की रिकार्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 42,645.33 अंक तक के अपने सर्वकालिक स्तर पर चला गया था। इससे पहले, 14 जनवरी, 2020 को सेंसेक्स 41,952.63 अंक पर बंद हुआ था जो इसके बंद का अब तक का उच्चतम स्तर था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 197.50 अंक यानी 1.61 प्रतिशत की तेजी के साथ 12,461.05 अंक के रिकार्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान 12,474.05 के उच्चतम अंक पर पहुंच गया था। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सर्वाधिक लाभ में इंडसइंड बैंक रहा। इसमें 4.95 प्रतिशत की तेजी आयी। उसके बाद क्रमशः भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, पावरग्रिड, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक का स्थान रहा। दूसरी तरफ केवल तीन शेयरों... मारुति, आईटीसी और बजाज फिनसव... में गिरावट दर्ज की गयी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन को विजेता घोषित किये जाने के बाद से वैश्विक बाजारों में तेजी रही। विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका में बाइडेन की जीत के साथ व्यापार युद्ध के हल्का पड़ने तथा कोविड-19 के खिलाफ अभियान और तेज होने की उम्मीद का शेयर बाजारों पर अच्छा असर पड़ा। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''मजबूत वैश्विक रुख और अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी को बहुमत मिलने से मानक सूचकांक रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचे। घरेलू बाजार में तेजी का कारण दूसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम के बाद व्यापार परिदृश्य बेहतर होने से बैंक तथा वित्तीय कंपनियों के शेयरों का अच्छा प्रदर्शन है।'' शेयर बाजार के पास उपलब्ध अस्थायी आंकड़े के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 4,869.87 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई, हांगकांग, सोल और तोक्यो 2.12 प्रतिशत तक की बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में भी शुरूआती कारोबार में अच्छी तेजी रही। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का भाव 2.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40.34 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। विदेशी विनिमय बाजार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे मजबूत होकर 74.15 पर बंद हुआ।

# इस सरकारी बैंक का ग्राहकों को दिवाली गिफ्ट, सस्ता किया लोन और खत्म किए कई चार्ज

**(एजेंसी):**

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने सोमवार को बड़ा ऐलान किया। बैंक ने आरएलएलआर- रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (**RLLR**) पर आधारित ब्याज दरें 0.15 फीसदी तक घटा दी है। इस फैसले के बाद अब नई ब्याज दरें घटकर 6.90 फीसदी पर आ गई है। अब इस फैसले के बाद आरएलएलआर पर आधारित सभी लोन की दरें 0.15 फीसदी कम हो जाएंगी। लिहाजा ग्राहकों को हर महीने **EMI** पर 0.15% की बचत होगी। इसके अलावा बैंक ने प्रोसेसिंग फीस भी नहीं लेने का ऐलान किया है।

**7 नवंबर से लागू हुई नई दरें**

बैंक की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, नई दरें 7 नवंबर 2020 से लागू हो गई है। बैंक ने होम लोन, कार लोन, गोल्ड लोन, एजुकेशन लोन, और **MSME** पर ब्याज दरें 0.15 फीसदी घटाई है। बैंक के एग्जक्युटिव डायरेक्टर हेमंत टमटा का कहना हैं कि त्योहारों के इस सीजन में बैंक ने होम, कार और गोल्ड लोन पर प्रोसेसिंग फीस नहीं लेने का भी फैसला किया है।

**महिलाओं को मिलेगी ज्यादा छूट**

बैंक की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि महिलाओं को 0.05 फीसदी की अतिरिक्त छूट मिलेगी। इसके अलावा डिफेंस (आर्मी, नेवी और एयरफोर्स) में काम करने वालों को भी 0.05 फीसदी की अतिरिक्त छूट देने का ऐलान किया गया है।

**बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी दिया दिवाली तोहफा**

आपको बता दें कि इससे पहले बैंक ऑफ बड़ौदा ने भी अपने ग्राहकों को दिवाली तोहफा देते हुए ब्याज दरें घटाने का ऐलान किया। तीसरे सबसे बड़े बैंक बैंक ऑफ बड़ौदा (**BoB**) ने रेपो दर से जुड़ी ऋण ब्याज दर (**BRLLR**) को 7 फीसदी से घटाकर 6.85 प्रतिशत कर दिया है। बैंक की यह नई दरें 1 नवंबर 2020 से लागू होंगी। बैंक के महाप्रबंधक (रेहन एवं अन्य खुदरा ऋण कारोबार) हर्षद कुमार टी. सोलंकी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि इससे होम लोन, मोर्टगेज लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन, पर्सनल लोन आदि के ग्राहकों को लाभ होगा।

## CBI ने यूको बैंक के नेतृत्व वाले समूह से 105 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी पर कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज किया

**नयी दिल्ली।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यूको बैंक के नेतृत्व वाले समूह से 105 करोड़ रुपये से अधिक की कथित धोखाधड़ी के मामले में मध्य प्रदेश की कंपनी 'नारायण निर्यात' और इसके निदेशक कैलाश चंद गर्ग के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि 2011 से 2013 तक कंपनी ने यूको बैंक, कॉरपोरेशन बैंक (अब यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ विलय हो गया है) और पंजाब नेशनल बैंक के समूह से 110 करोड़ रुपये से ज्यादा की कर्ज सुविधा हासिल की थी। सीबीआई ने कंपनी के एक अन्य निदेशक सुरेश चंद गर्ग (अब दिवंगत) का नाम भी प्राथमिकी में आरोपी के तौर पर शामिल किया है। अधिकारियों ने बताया कि 'नारायण निर्यात' और इसके निदेशकों ने अपने सहयोगियों के जरिए धन की हेराफेरी समेत अवैध गतिविधियां कीं। आगे शिकायतकर्ता बैंक (यूको बैंक) ने मामले में अज्ञात लोकसेवकों की भूमिका की जांच करने का अनुरोध किया है। बैंक ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि कर्ज सुविधा हासिल करने के बाद कंपनी के निदेशकों ने बैंक के साथ धोखाधड़ी की और जानबूझकर बैंक के कोष का दूसरी जगह इस्तेमाल किया। इससे कंपनी को फायदा हुआ और सरकारी रकम का दुरुपयोग हुआ। यूको बैंक ने सीबीआई को अपनी शिकायत में कहा, ''आगे हम आपको अवगत कराना चाहते हैं कि कंपनी ने बकाया 106.5 करोड़ रुपये के विपरीत तीनों बैंकों के समूह को 37 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव दिया।

इसे हमारे बैंक ने मंजूर कर लिया लेकिन कंपनी शर्तों का पालन करने में नाकाम रही और भुगतान नहीं किया।'' बैंक की यह शिकायत अब सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी का हिस्सा है।

## देश की आर्थिक वृद्धि के लिए डिजिटल भुगतान करें: निर्मला सीतारमण

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिसनर्स द्वारा अयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को सम्बोधित किया। सीतारमण ने कहा कि डिजिटलीकरण बढ़ने से देश की आर्थिक वृद्धि के बेहतर आकलन में मदद मिलेगी। उन्होंने कर पेशेवरों से अपने ग्राहकों को डिजिटल तरीके से भुगतान के लिए प्रोत्साहित करने को कहा। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में जिस दल की भी सरकार हो, वह कर दायरा बढ़ाने का प्रयास करती है। कर राजस्व बढ़ाने के प्रयास के साथ कर बोझ कम करती है। उन्होंने कहा कि कर पेशेवर, करदाताओं द्वारा समय पर अनुपालन सुनिश्चित कर महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि कोई बहुत छोटी राशि है, तो उसके लिए डिजिटल तरीका नहीं अपनाया जा सकता, तो कोई बात नहीं। लेकिन, डिजिटल तरीके से भुगतान करने के लिए हमेशा प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

इससे हर लेन-देन नोटिस में आता है। सीतारमण ने कहा कि जब तक वाणिज्यिक लेन-देन नजर रखे जाने वाली व्यवस्था में नहीं आते, भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कमतर आकलन होगा।

## दुकानदारों को मार्च तक 1,000 करोड़ रुपये का ऋण वितरण करेगी पेटीएम

**नयी दिल्ली (एजेंसी)**

डिजिटल वित्तीय सेवा कंपनी पेटीएम ने अगले साल मार्च तक दुकानदारों को 1,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वह अपने बिजनेस ऐप के प्रयोगकर्ताओं को 'दुकानदार ऋण कार्यक्रम' के तहत बिना गारंटी वाला कर्ज उपलब्ध कराना जारी रखेगी। पेटीएम ने बयान में कहा, ''हम अपने 1.7 करोड़ दुकानदारों के आंकड़ों के आधार पर कारोबार क्षेत्र को 1,000 करोड़ रुपये का ऋण प्रदान करेंगे। इस ऋण के जरिये दुकान मालिक अपने कारोबार का डिजिटलीकरण कर सकेंगे तथा परिचालन में विविधता ला सकेंगे। इससे उनकी दक्षता में सुधार होगा और उन्हें डिजिटल इंडिया मिशन में शामिल होने में मदद मिलेगी।'' कंपनी ने कहा कि उसका लक्ष्य 1,000 करोड़ रुपये का कर्ज मार्च तक वितरित करने का है। पेटीएम दुकानदारों के रोजाना के लेनदेन के आधार पर उनकी ऋण पात्रता तय करती है और उसके बाद गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) तथा बैंकों के साथ भागीदारी में बिना गारंटी वाला ऋण उपलब्ध कराती है। बयान में कहा गया है कि वह सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) की वृद्धि के लिए निचली ब्याज दरों में पांच लाख रुपये तक के गारंटी-मुक्त ऋण का विस्तार कर रही है। इस ऋण की वसूली दुकानदार के पेटीएम के साथ रोजाना के निपटान के आधार पर की जाती है और इसके समय से पहले भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लिया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## छेत्री भारतीय आइकन और दिग्गज हैं : भुइयां

**कोलकाता ।** पिछले साल 2022 फीफा विश्व कप और 2023 एएफसी एशियन कप संयुक्त क्वालीफायर में भारत के खिलाफ **Bangladesh** का नेतृत्व करने वाले जमाल भुइयां ने खुलासा किया है कि मैच से पहले उनकी टीम पूरी तरह से तैयार थी और उनके सामने सुनील छेत्री की कप्तानी वाली भारतीय टीम को रोकने की चुनौती थी। उस मैच में भारत को **Bangladesh** के खिलाफ अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा था। जमाल ने एआईएफएफ से कहा, भारत में सुनील आइकन और दिग्गज है। उन्होंने कई सारे अंतर्राष्ट्रीय गोल किए हैं, इसलिए हमारी नजर हमेशा उनपर थी। मैच से पहले मैंने और कोच ने एक दूसरे से बात की थी। कोच ने मुझसे कहा था कि आपको सुनील को रोकना होगा। उन्होंने कहा, मैं उन्हें कोई मौका नहीं देने पर ध्यान दे रहा था। वह उस दिन जो भी मौके बनाते थे, उसे रोकना मेरा काम था। जमाल अब कोलकाता लौटेंगे, जहां वह आई-लीग क्लब मोहम्मदन एफसी के लिए खेलेंगे। उन्होंने कहा, आई-लीग मेरे लिए बहुत अच्छा है। जब मोम्मदन स्पोर्टिंग ने मुझसे संपर्क किया तो मैं उनके इतिहास को जानना चाहा। आई-लीग का 14वां संस्करण अगले साल नौ जनवरी से कोलकाता में खेला जाएगा।

# दिल्ली पहली और मुम्बई पांचवीं बार बनना चाहेगी चैम्पियन

**दुबई (एजेंसी) :**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन की दो सबसे मजबूत टीमें-दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस मंगलवार को यहां दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खिताब के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी। मौजूदा विजेता मुंबई अपनी पांचवीं खिताबी जीत के इंतजार में है। लेकिन उसके सामने है दिल्ली, जो पहली बार फाइनल खेल रही है और अपने पहले खिताब के लिए अपनी पूरी ताकत झोंकने को तैयार है। दिल्ली ने इससे पहले कभी फाइनल नहीं खेला है। लीग में मौजूदा आठ टीमों में से वह इकलौती टीम थी जो फाइनल नहीं खेली थी। श्रेयर अय्यर की कप्तानी वाली दिल्ली ने 13वें सीजन में इस सूखे को तो खत्म कर ही दिया है, लेकिन क्या वो अनुभवी मुंबई के सामने खिताबी सूखा खत्म कर पाएगी यह देखना दिलचस्प होगा। खिताबी मुकाबले से पहले इस सीजन में यह दोनों टीमें तीन बार आमने-सामने हो चुकी हैं और तीनों बार मुंबई ने बाजी मारी है। लीग चरण के दोनों मैचों में मुंबई को जीत मिली थी। प्लेऑफ में पहले क्वालीफायर में भी इन दोनों टीमों का सामना हुआ था, जिसमें मुंबई ने फिर दिल्ली को हराया था और सीधे फाइनल में जगह बनाई थी। दिल्ली ने फिर दूसरे क्वालीफायर में सनराइजर्स हैदराबाद को हरा फाइनल में अपनी जगह पक्की की। दोनों टीमों की एक अच्छी बात यह रही है कि दोनों टीमें बेहद संतुलित हैं और गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी, किसी एक-दो खिलाड़ी के दम पर निर्भर नहीं हैं। सभी खिलाड़ी टीम की जीत में योगदान देते हैं।

दूसरे क्वालीफायर में दिल्ली ने एक बार फिर अपनी सलामी जोड़ी में बदलाव किया। शिखर धवन के साथ मार्कस स्टोयनिस ओपनिंग करने आए और यह प्रयोग सफल रहा। स्टोयनिस ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए हैदराबाद जैसे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण पर दबाव बनाया। धवन ने भी स्टोयनिस की तरह की ही आक्रामक बल्लेबाजी की थी। मुंबई के खिलाफ भी क्या सही सलामी जोड़ी उतरती है यह अहम सवाल है। वैसे विकल्प अंजिक्य रहाणे भी हैं जो ओपनिंग कर सकते हैं। बाकी बल्लेबाजी क्रम की बात की जाए तो स्टोयनिस अगर ओपनिंग करने आते हैं तो निचले क्रम में फिनिशर की जिम्मेदारी शिमरन हेटमायेर पर रहेगी। हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने इस काम को अच्छे से किया था। ऋषभ पंत भी निचले क्रम में हैं जिनका बल्ला इस पूरे सीजन ज्यादा चला नहीं है। गेंदबाजी में तो पूरा दारोमदार कैगिसो रबादा और एनरिक नॉर्खिया पर होगा। टीम मैनेजमेंट चाहेगी की यह दोनों पावरप्ले में कुछ विकेट निकाल मुंबई को अच्छी शुरूआत से वंचित रख दबाव में ला दें। शुरू में अगर रबादा और नॉर्खिया मुंबई के कुछ विकेट निकाल लेते हैं तो मध्य के ओवरों में रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल इस दबाव का फायदा उठा सकते हैं और यहां दिल्ली के पास मुंबई को फंसाने का मौका होगा। मुंबई की बल्लेबाजी से बचना किसी भी गेंदबाजी क्रम के लिए आसान नहीं है। क्विंटन डी कॉक और कप्तान रोहित शर्मा की ओपनिंग जोड़ी मजबूत है। रोहित ने जब से चोट से वापसी की है वह बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं। उनके साथी डी कॉक भी अलग अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे हैं और रन बना रहे हैं। मध्य क्रम में सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन भी बेहतरीन फॉर्म में हैं। इन दोनों के बाद हार्दिक पांड्या, कीरन पोलार्ड और क्रूणाल पांड्या भी हैं। यह सभी निचले क्रम में तूफानी बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। मुंबई की गेंदबाजी में दो विश्व स्तर के गेंदबाज हैं। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट। इन दोनों ने ही टीम के गेंदबाजी आक्रमण को लीड किया। तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर जेम्स पैटिनसन और नाथन कुल्टर नाइल में से किसी एक को खेलाया जाएगा। सबसे अहम रहेगा टॉस। दूसरे हाफ में ओस पड़ने के कारण इस मैच में टॉस की भूमिका अहम हो जाती है। पिछले कुछ मैचों में देखा गया है कि ओस पड़ने से मैच का रूख बदला है।

# डीडीसीए चुनावों के आखिरी दिन 434 सदस्यों ने दिए वोट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के चुनावों के आखिरी दिन रविवार को 434 सदस्यों ने वोट डाले। प्रत्याशी इस दिन भारी तादाद में वोट पड़ने की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। चार दिन तक डीडीसीए के कुल 1,776 सदस्यों ने वोट डाले। यह वोट पांच पदों के लिए डाले गए। डीडीसीए के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली के बेटे रोहन जेटली को निर्विरोध अध्यक्ष चुना जा चुका है। सदस्यों ने कोषाध्यक्ष और चार निदेशकों के पद के लिए वोट डाले। चुनावों के परिणाम सोमवार को आएंगे। सुबह 10 बजे से वोटों की गिनती शुरू हो जाएगी। डीडीसीए के निदेशक और चुनावों के नोडल अधिकारी संजय भारद्वाज ने आईएएनएस से कहा, कोषाध्यक्ष पद परिणाम का ऐलान संभवतः 12:30 बजे तक हो जाएगा जबकि चार निदेशकों के पद के परिणाम शाम तक आ जाएंगे। कोषाध्यक्ष पद के लिए बीसीसीआई के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष सी.के. खन्ना की पत्नी शशि खन्ना और भारत के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर के रिश्तेदार पवन गुलाटी के बीच सीधा मुकाबला है। चार निदशकों के लिए नौ लोग रेस में हैं। कोषाध्यक्ष पद हासिल करने के लिए प्रत्याशी को 882 वोट चाहिए होंगे। चार निदेशकों के लिए छोटा मार्जिन प्रत्याशियों के लिए काफी रहेगा। अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और चार निदशकों का कार्यकाल अभी सिर्फ आठ महीनों का होगा, यानी जून तक, अगर एजीएम की तारीख कुछ महीनों के बढ़ा दी नहीं जाती है तो। एजीएम में सभी 12 निदेशकों के लिए चुनाव होंगे। गुलाटी ने रविवार को आईएएनएस से कहा, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की है। देखते हैं क्या होता है। मुझे उम्मीद रखनी होगी नहीं तो आधा मुकाबला वैसे ही हार जाऊंगा। गुलाटी ने कहा कि घर में कोविड-19 मामला आने के बाद आइसोलेशन में गए गंभीर ने रविवार को वोट डाला।

## टेगेर्न्सी इंटरनेशनल शतरंज - जर्मनी के डोनचेंकों बने विजेता

**बाद विसे ,जर्मनी ( निकलेश जैन )** में चल रहे इस समय दुनिया के एकमात्र ऑन द बोर्ड राउंड रॉबिन ग्रांड मास्टर टूर्नामेंट टेगेन्र्सी इंटरनेशनल का खिताब मेजबान जर्मनी के ग्रांड मास्टर डोनचेंको नें जीत लिया है अंतिम और नौवे राउंड मे उन्होने जर्मनी के परवनयन अशोत को काले मोहरो सेमात देते हुए अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए 6.5 अंक के साथ पहला स्थान हासिल कर लिया । वही दूसरे स्थान पर चल रहे जर्मनी के जर्मनी ब्लूबम मथियस को आखिरी राउंड मे हमवतन निसिपेएनु डिएटर से हार का सामना करना पड़ा और इस तरह दोनों 5 अंको के साथ सयुंक्त दूसरे स्थान पर रहे । इटली के बासो पीर 4.5 अंक के साथ चौंथे ,चेक गणराज्य के गुएन थाई 4 अंक के साथ पांचवे ,बेल्जियम के डेनियल दारधा 3.5 अंक के साथ छठे ,3 अंको के साथ ब्राज़ील के अलेक्ज़ेंडर फिएर सातवे स्थान पर रहे । भारत के 14 वर्षीय नन्हें खिलाड़ी लियॉन मेन्दोंसा 3 अंक बनाकर आठवे स्थान पर रहे दरअसल उन्हे अंतिम राउंड मे चेक गणराज्य के गुएन के हाथो पराजय का सामना करना पड़ा , लियॉन नें प्रतियोगिता मे 6 ड्रॉ खेले । और 2 मैच मे उन्हे हार का सामना करना पड़ा जबकि उनकाएक मैच रद्द हुआ । जर्मनी के परवनयन अशोत 1.5 अंक बनाकर अंतिम स्थान पर रहे ।

# पहले टेस्ट के बाद स्वदेश लौटेंगे कोहली, रोहित टेस्ट टीम में शामिल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

भारतीय कप्तान विराट कोहली आस्ट्रेलिया दौरे पर खेली जाने वाली चार मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के बाद स्वदेश लौट आएंगे। कोहली टेस्ट सीरीज के दौरान पिता बनने वाले हैं और बीसीसीआई ने उनकी पितृत्व अवकाश को मंजूरी दे दी है। आस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को पहला टेस्ट 17 दिसंबर को एडिलेड में खेलना है और इस दौरान कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा मां बनने वाली हैं। बीसीसीआई ने हालांकि यह नहीं बताया है कि कोहली सीरीज के बाकी बचे मैचों में खेलेंगे या नहीं। दोनों टीमों के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर 2020 से 19 जनवरी 2021 तक खेली जाएगी। भारतीय बोर्ड ने साथ ही कहा कि सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। इस बीच, पहली बार भारतीय टीम में चुने गए लेग स्पिनर वरुण चक्रवर्ती कंधे की चोट के कारण तीन मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। चयनकर्ताओं ने चक्रवर्ती की जगह टी नटराजन को टी-20 टीम में शामिल किया है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने रोहित की फिटनेस का आंकलन करने के बाद उन्हें सीमित ओवरों की सीरीज से आराम देना का फैसला किया, लेकिन टेस्ट सीरीज के लिए उन्हें टीम में शामिल कर लिया। उनके अलावा संजू सैमसन को अतिरिक्त विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में वनडे टीम में शामिल किया गया है। तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा को लेकर कहा गया है कि वह अभी बेंगलुरू के एनसीए में रिहेबिलिटेशन में हैं और पूरी तरह से फिट हो जाने के बाद उन्हें टेस्ट में शामिल किया जाएगा।

**आस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारतीय टीम :**

**टी-20 टीम :** विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, मयंक अग्रवाल, लोकेश राहुल (उप-कप्तान और विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर,। युजवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, दीपक चाहर, टी नटराजन

**वनडे टीम :**

विराट कोहली (कप्तान), शिखर धवन, शुभमन गिल, लोकेश राहुल (उपकप्तान और विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, हार्दिक पांड्या, मयंक अग्रवाल, रवींद्र जडेजा, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, नवदीप सैनी, शार्दुल ठाकुर, संजू सैमसन (विकेट कीपर)।

**टेस्ट टीम :**

विराट कोहली (कप्तान), रोहित शर्मा, मयंक अग्रवाल, पृथ्वी शॉ, लोकेश राहुल, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे (उपकप्तान), हनुमा विहारी, शुभम गिल, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, उमेश यादव, नवदीप सैनी, कुलदीप यादव, रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज।

## संक्षिप्त समाचार

### बीबीएल : स्टार्क की 6 साल बाद सिडनी सिक्सर्स में वापसी

**सिडनी।** आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क की छह साल बाद बिग बैश लीग (बीबीएल) में वापसी हुई है। उन्होंने लीग के आगामी सीजन के लिए सिडनी सिक्सर्स के साथ करार किया है। स्टार्क भारत के खिलाफ होने वाली सीरीज के चलते केवल आखिरी तीन लीग मुकाबले और फाइनल सीरीज के लिए ही उपलब्ध रह पाएंगे। वह 2011-12 सीजन में सिडनी सिक्सर्स की उस टीम का हिस्सा थे, जिसने पहली बार बीबीएल ट्रॉफी जीती थी। उन्होंने सिक्सर्स के लिए 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं। स्टार्क ने कहा, पांच सीजन के बाद फिर से वापसी करना शानदार है। मैंने बीबीएल के पहले सीजन से ही सिक्सर्स के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी और यह सफर चलता रहा। मेरी पत्नी एलिसी हीली भी सिक्सर्स की टीम का हिस्सा बनीं।

### IPL-2020: अय्यर ने फाइनल में पहुंचने पर कहा, अभी तक का सर्वश्रेष्ठ एहसास

**अबू धाबी।** दिल्ली कैपिटल्स ने आईपीएल-13 के फाइनल में जगह बना ली है। आईपीएल के अब तक के इतिहास में यह पहली बार है कि दिल्ली फाइनल खेलेगी। दिल्ली ने रविवार को क्वालीफायर-2 में सनराइजर्स हैदराबाद को हरा फाइनल में जगह बनाई। खिताबी मुकाबले में उसका सामना 10 नवंबर को मौजूदा विजेता मुंबई इंडियंस से होगा। मैच के बाद दिल्ली के कप्तान ने कहा कि यह उनकी टीम के लिए बहुत बड़ी बात है और उनके लिए यह अभी तक की सबसे बड़ी खुशी है। मैच के बाद अय्यर ने कहा, शानदार, अभी तक का सर्वश्रेष्ठ एहसास। यह काफी उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा। हम एक परिवार की तरह खड़े रहे। एक कप्तान के तौर पर काफी सारी जिम्मेदारियां आती हैं। ऊपर से एक बल्लेबाज के तौर पर आपको निरंतरता बनाए रखनी पड़ती है। लेकिन मुझे लगता है कि मुझे अपने सपोर्ट स्टाफ से काफी समर्थन मिल रहा है। अय्यर ने कहा, भाग्यशाली हैं कि इतनी शानदार टीम मिली। भावनाएं ऊपर-नीचे होती रहती थीं। आप हमेशा वही रूटीन नहीं रख सकते। आपको लगातार बदलना होता है। अगले मैच में भी हमें फ्री होकर खेलना होगा। अय्यर की कप्तानी में यह लगातार दूसरी बार था कि टीम ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी और अब वह इस युवा कप्तान के नेतृत्व में चार बार की विजेता के सामने पहले खिताब के लिए जोर अजमाइश करेगी।

# टेनिस : ज्वेरेव को हरा मेदवेदेव ने जीता पेरिस मास्टर्स खिताब

**पेरिस (एजेंसी)।**

रूस के डेनिल मेदवेदेव ने जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया है। मेदवेदेव ने रविवार को खेले गए पुरुष एकल के फाइनल में ज्वेरेव को 5-7, 6-4, 6-1 से मात दी। मेदवेदेव की 12 मैचों में यह लगातार 12वीं जीत है। इस साल अपना पहला फाइनल खेलने वाले रूसी के खिलाड़ी का करियर का यह तीसरा मास्टर्स 1000 खिताब है। मेदवेदेव अपने करियर में अब तक आठ खिताब जीत चुके हैं। उन्होंने इस जीत के बाद कहा, यह बहुत अच्छा है, मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। जैसा कि मैं हमेशा कहता हूं, मैं मैच के बाद जश्न नहीं मनाता, लेकिन मैं वास्तव में मैच जीतने से खुश हूं। मेदवेदेव ने कहा, टूर्नामेंट से पहले मैं अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं था। इस साल एक भी फाइनल नहीं खेला था। आखिरकार मैं बर्सी का विजेता हूं, एक टूर्नामेंट जो मुझे बहुत पसंद है। फ्रांस में पहला खिताब तीन फाइनल मास्टर्स खिताब। उम्मीद है कि मैं इस तरह का खेल आगे भी जारी रखूंगा।

## बेयरस्टो ने मेलबर्न स्टार्स के किया करार

**मेलबर्न (एजेंसी)।**

इंग्लैंड के विकेटकीपर बल्लेबाज जॉनी बेयरेस्टो ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीजन के लिए मेलबर्न स्टार्स की टीम के साथ करार किया है। बेयरस्टो का यह पहला बीबीएल सीजन होगा और क्रिसमस के बाद उनके टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है। 31 वर्षीय बेयरस्टो ने 2012 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट में पदार्पण किया था, इसके बाद से वह अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए अब तक सभी प्रारुप में खेल चुके हैं। वह हाल में आईपीएल-13 में सनराइजर्स हैदराबाद टीम का हिस्सा थे। बेयरस्टो ने कहा, स्टार्स के साथ करार करके मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। मैंने हमेशा देखा है कि मैं दुनिया में कहीं भी रहूं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है और अंत में बीबीएल हिस्सा बनना अच्छा होगा। मुझे पता है कि स्टार्स प्रतिस्पर्धा स्तरीय क्लब है और उसका अच्छा रिकॉर्ड है। **मेलबर्न स्टार्स टीम :** ग्लेन मैक्सवेल (कप्तान), जॉनी बेयरस्टो (विकेटकीपर), हिल्टन कार्टराइट, नाथन कूल्टर-नाइल, बेन डंक, सेब गॉट, क्लिंट हिंचलिफ, निक मैडिसन, लांस मॉरिस, टॉम ओ कॉनेल, विल पुकोव्स्की, बिली स्टेनलेक, मार्कस स्टोनिस, एडम जम्पा।

## टेनिस : इस्केंटल चैलेंजर के फाइनल में हारे रामनाथन

**बर्लिन।** भारत के पुरुष टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन को रविवार को इस्केंटल चैलेंजर के फाइनल में सातवीं सीड सेबास्टियन कोरडा के हाथों 6-4, 6-4 से हार का सामना करना पड़ा है। यह कोरडा का किसी भी स्तर पर पहला पेशेवर खिताब है। इसी के साथ उन्होंने 100 एटीपी अंक हासिल कर लिए हैं। रामनाथन ने 60 अंक अपने खाते में डाले हैं। अपना 26वां जन्मदिन बना रहे रामनाथन ने छह ऐस, नौ डबल फॉल्ट लगाए। यह मैच एक घंटे 23 मिनट चला। 20 साल के कोरडा ने रामनाथन से नौ अंक ज्यादा लिए और पांच ब्रेकप्वाइंट में से तीन अपने नाम करने में सफल रहे। हार के बाद भी यह रामनाथन का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

# एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हमें अपने स्तर का पता चलेगा : सुमित

**बेंगलुरू (एजेंसी)।**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मिडफील्डर सुमित का मानना है कि अगले साल होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी टीम के लिए अपनी तैयारियों को परखने का एक अच्छा मंच होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगले साल मार्च की शुरुआत में में ढाका में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेना है। अगर कोविड-19 महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंध न नहीं होता है तो टीम इस टूर्नामेंट में भाग लेगी। सुमित 2016 में विश्व कप जीतने वाली जूनियर भारतीय पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा रह चुके हैं। सुमित ने कहा, हम बेहद भाग्यशाली हैं कि हम फिर से अपनी ट्रेनिंग शुरू करने में सफल रहे हैं। हमें अपने कौशल को सुधारने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और हॉकी इंडिया द्वारा जैव-सुरक्षित वातावरण प्रदान किया गया है। अगले साल होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हम जिस स्तर पर हैं, उससे पता चलेगा कि ओलंपिक खेलों से पहले हमें और कितना सुधार करने की जरूरत है। कलाई की चोट के कारण पिछले साल कुछ टूर्नामेंटों से बाहर रहने वाले सुमित का कहना है कि वह फिर से भारत की जर्सी पहनने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, पिछले जून में भुवनेश्वर में एफआईएच मेन्स सीरीज फाइनल्स के दौरान मेरी कलाई में चोट लग गई थी। चोट से उबरने के लिए मुझे काफी समय लगा। मैं इस साल एफआईएच हॉकी प्रो लीग के लिए टीम में चुना गया था, जहां मुझे शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलने का मौका मिला था। भारतीय मिडफील्डर ने आगे कहा, एक खिलाड़ी को भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए वास्तव में अच्छा होना चाहिए जो हमसे अपेक्षित हो और जिसमें आंतरिक प्रतिस्पर्धा हो। मैं अभी अपना 100 फीसदी प्रशिक्षण ले रहा हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि मुझे एशियन चैंपियनशिप ट्रॉफी खेलने का मौका मिलेगा, जहां हमें अपने खिताब का बचाव करना है। सुमित ने बेंगलुरू के साई सेंटर में चल रहे नेशनल कोचिंग कैम्प को लेकर कहा कि टीम अच्छा कर रही है और सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, महामारी के कारण इस साल हम कोई प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे। सीजन को इस तरह से योजनाबद्ध किया गया है कि हमें एक-दूसरे के खिलाफ मैच खेलना है, जहां हमें अपना सर्वश्रेष्ठ बाहर लाना है।

## हैरानी वाली बात है कि आईपीएल नीलामी में किसी ने होल्डर पर दाव नहीं लगाया : गंभीर

**नई दिल्ली।** हरफनमौला खिलाड़ी जेसन होल्डर आईपीएल के मौजूदा सीजन में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ गेम चेंजर साबित हुए हैं। उनके प्रदर्शन के देखते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान गौतम गंभीर ने इस बात पर हैरानी जताई है कि किसी ने होल्डर को आईपीएल नीलामी में नहीं खरीदा। गंभीर ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए कहा, मेरे लिए यह हैरानी वाली बात है कि किसी ने भी नीलामी में होल्डर जैसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा। जिम्मी नीशम, क्रिस मौरिस को खरीदा गया, बाकी हरफनमौला खिलाड़ियों को खरीदा गया, लेकिन होल्डर जो दो प्रारूप खेलते हैं, वह उस टीम के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए आ रहे हैं जो टेस्ट और वनडे में लगाता संघर्ष करती आ रही है। हैदराबाद ने होल्डर को चोटिल मिशेल मार्श के स्थान पर अपनी टीम में शामिल किया था। उन्होंने इस सीजन छह मैच खेले हैं और निचले क्रम में आते हुए 55 रन बनाए हैं और 13 विकेट लिए हैं। इन छह मैचों में से हैदराबाद को सिर्फ एक मैच में हार मिली है। गंभीर ने कहा कि वेस्टइंडीज टीम टेस्ट और वनडे में संघर्ष कर ही है और होल्डर उस टीम का हिस्सा हैं इसलिए उन्हें पता है कि दबाव कैसे झेला जाता है। गंभीर ने कहा, जब आप अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसी स्थिति में होते हैं तो जाहिर तौर पर आप जानते हैं कि दबाव को कैसे झेला जाता है। इसी बात पर हम लगातार बात करते आए हैं कि विदेशी खिलाड़ियों के लिए आईपीएल के दबाव को संभालना कितना जरूरी है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# पत्नी आलिया से तलाक की खबरों के बीच नवाजुद्दीन सिद्दीकी बोले- बच्चों के प्रति निभाएंगे सारी जिम्मेदारी

**बॉलीवुड** एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। नवाजुद्दीन की पत्नी आलिया ने कोर्ट में तलाक की अर्जी दी है। आलिया ने नवाजुद्दीन, उनके परिवार और उनके भाइयों पर मारपीट और धोखधड़ी के सनसनीखेज आरोप भी लगाए हैं।

अब तलाक डिवोर्स की खबरों के बीच नवाज ने अपने दिल की बात की है। उन्होंने एक न्यूज पोर्टल को दिए इंटरव्यू में इस विवाद पर रिएक्ट किया है। नवाजुद्दीन के मुताबिक वो अपनी निजी जिंदगी के बारे में तो पब्लिक प्लेटफॉर्म पर नहीं बता सकते हैं, लेकिन उन्हें पूरी उम्मीद है कि वो अपने बच्चों के प्रति सारी जिम्मेदारी निभाएंगे।

नवाज का कहना है कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि वो अपने बच्चों की प्रति सभी जिम्मेदारियों को निभा पाएंगे। वो अपनी बेटी को बहुत प्यार करते हैं।

गौरतलब है कि पत्नी आलिया की तरफ से नवाज पर बेवफाई के आरोप लगाए गए हैं, वहीं नवाज ने तमाम आरोपों को बकवास करार दिया है। उन्होंने इसे ड्रामा बता दिया है। ऐसे में तलाक से पहले ही नवाजुद्दीन और आलिया का रिश्ता काफी खराब मोड़ पर आ गया है।

वर्क फ्रंट की बात करें तो नवाजुद्दीन पिछली बार फिल्म 'सीरियस मैन' में नजर आए थे। सीरियस मैन को ओटीटी पर रिलीज किया गया था।

# अजय देवगन ने की अमेजॉन के साथ 5 फिल्मों की डील, जानें कौन सी नयी फिल्म होगी रिलीज

**अजय देवगन** इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं। इस समय अजय देवगन अपने करियर के पिक पर है। 2020 में अजय देवगन की फिल्म तान्हाजी ने सबसे ज्यादा कमाई की है। साथ ही यह फिल्म अजय देवगन के करियर की सबसे ज्यादा बॉक्स ऑफिस पर कमाई करने वाली फिल्म बनी है।

हाल ही में, हमने अजय देवगन की रोमांचक परियोजना 'मेडे' का खुलासा किया जिसमें वह अमिताभ बच्चन के साथ अभिनय और निर्देशन करेंगे। अब, ऐसा लगता है कि अभिनेता के हाथों में एक और बड़ी परियोजना लग गई है क्योंकि वह अमेज़ॅन स्टूडियो के साथ पांच-फिल्म सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।

बॉलीवुड हंगामा ने विशेष रूप से पता लगाया है कि अजय ने अमेज़ॅन प्राइम के साथ पांच फिल्म समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने एक प्रमुख समाचार पोर्टल को बताया, 'अजय की स्लेट आशाजनक है, और एक सौदे के लिए कई दिग्गजों द्वारा उनका पीछा किया जा रहा था, और यह अंतत: अमेज़ॅन है। प्रति फ़िल्म मौद्रिक शब्दों में उनका सौदा सलमान खान के बाद अब तक का दूसरा सबसे बड़ा सौदा है, जिसका अमेज़न प्राइम से भी करार है। विशेष रूप से स्टार नेटवर्क ने अजय देवगन की फिल्मों से बहुत पैसा कमाया, जिसने उनके बाजार मूल्य को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जबकि एक डिजिटल सौदे को बंद कर दिया गया है और हस्ताक्षर किए गए हैं, वह एक अग्रणी चैनल के साथ अपने सौदे को बंद करने के कगार पर है।

# सुनील शेट्टी को मिला 'भारत रत्न डॉ अंबेडकर अवॉर्ड', कोरोना काल में किया था यह काम

**बॉलीवुड** एक्टर सुनील शेट्टी को हाल ही में कोविड-19 में राहत की कोशिश के लिए उनके योगदान के लिए प्रतिष्ठित 'भारत रत्न डॉ अंबेडकर पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। एक्टर को महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने राजभवन में पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

सम्मान समारोह के दौरान सिर्फ 25 लोग मौजूद थे। कोरोना और लॉकडाउन में प्रवासी और दिहाड़ी मजदूरों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा था, जिसमें सोनू सूद और सुनील शेट्टी जैसे स्टार्स ने आगे आकर लोगों की मदद की।

सुनील शेट्टी ने महिलाओं का सशक्तीकरण किया, पशु कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाई और लॉकडाउन के दौरान मुंबई के डब्बावालों की सहायता की। एक्टर ने डब्बावालों के लिए बड़े पैमाने पर भोजन की आपूर्ति की व्यवस्था की थी।

'भारत रत्न डॉ अंबेडकर पुरस्कार' से सम्मानित होने के बाद सुनील शेट्टी ने कहा, जिन चीजों पर ध्यान जाता है उन्हें न करें, लेकिन याद रखने वाली चीजें करें। दें और भूल जाएं। स्वीकार करें और हमेशा याद रखें।

सुनील शेट्टी की फिल्मों की बात करें तो वह इस साल रिलीज रजनीकांत की फिल्म दरबार में नजर आए थे। इसमें सुनील के काम को बहुत पसंद किया गया था। अब सुनील गैंगस्टर-ड्रामा फिल्म मुंबई सागा में दिखेंगे। यह एक मल्टीस्टार फिल्म है।

# 'लाल सिंह चड्ढा' में शाहरुख खान करेंगे कैमियो रोल, आमिर खान ने किया डायरेक्ट

**बॉलीवुड** सुपरस्टार शाहरुख खान साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'जीरो' की असफलता के बाद से ही किसी फिल्म में नजर नहीं हैं। फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में शाहरुख दुबई में एक लंबा वक्त बिताकर वापस भारत आए हैं।

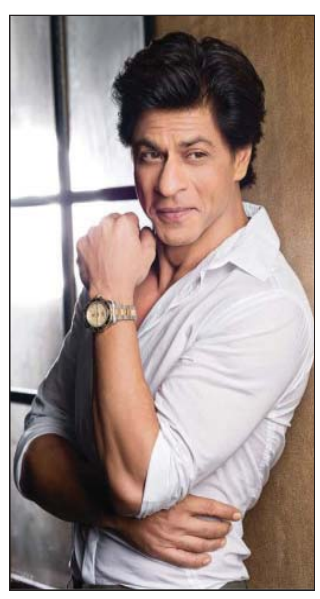

खबरें है कि दुबई जाने से पहले शाहरुख खान ने आमिर खान की आने वाली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के लिए अपने एक स्पेशल कैमियो की शूटिंग की थी। फिल्म में शाहरुख के जितने भी दृश्य हैं, सभी को फिल्म के मुख्य अभिनेता आमिर खान ने खुद फिल्माया था।

जब आमिर खान दिल्ली में करीना कपूर के साथ फिल्म की शूटिंग कर थे तो उसी समय शाहरुख दिल्ली में आए थे और अपने पार्ट की शूटिंग करके चले गए। वैसे तो आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' का निर्देशन अद्वैत चंदन कर रहे हैं। लेकिन, जब फिल्म में शाहरुख को फिल्माने की बारी आई तो उनके सभी दृश्य आमिर ने फिल्माए।

आमिर और शाहरुख ने फिल्म के सेट पर खूब इंजॉय किया। शाहरुख खान की कंपनी ही आमिर की इस फिल्म के लिए स्पेशल विजुअल इफेक्ट्स का काम देख रही है।

बता दें कि आमिर खान की यह फिल्म ऑस्कर अवॉर्ड जीत चुकी हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' का हिन्दी अडेप्टेशन है। इस फिल्म में आमिर खान के साथ करीना कपूर मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं। 'लाल सिंह चड्ढा' अगले साल क्रिसमस के मौके पर रिलीज की जा सकती है।

# बॉलीवुड में दीपिका पादुकोण ने पूरे किए 13 साल, सोशल मीडिया पर बदला अपना नाम

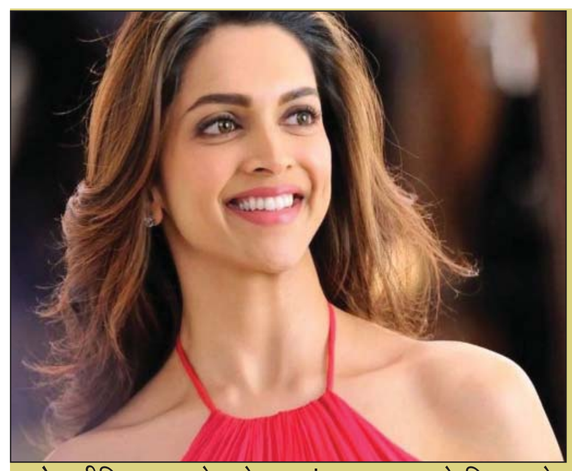

**एक्ट्रेस** दीपिका पादुकोण ने 9 नवंबर, 2007 को फिल्म ओम शांति ओम के साथ बॉलीवुड में डेब्यू किया था। बॉलीवुड में अपने डेब्यू के 13 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में, दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर अपना नाम बदल लिया है। दीपिका पादुकोण ने नाम बदलकर शांतिप्रिया रखा है। फिल्म ओम शांति ओम में दीपिका पादुकोण ने शांति प्रिया का किरदार निभाया था जिसके लिए उन्हें बहुत ज्यादा दर्शकों ने पसंद किया था।

फिल्म ओम शांति ओम एक पुनर्जन्म की कहानी थी, जिसमें शाहरुख खान ने मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि फराह खान ने फिल्म को डायरेक्ट किया था। ओम शांति के लिए ओम दीपिका ने कथित तौर पर स्क्रीन टेस्ट नहीं दिया था।

दीपिका ने ओम शांति ओम के लिए सर्वश्रेष्ठ फीमेल डेब्यू के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार जीता था और फिल्मों से एक शानदार यात्रा की शुरुआत की थी। इस फिल्म में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की केमिस्ट्री को बहुत पसंद किया गया था, जो कि बॉक्स ऑफिस पर 78 करोड़ रुपये की कमाई के साथ एक बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई थी। इस जोड़ी ने फराह के एक और निर्देशन- हैप्पी न्यू ईयर के साथ-साथ रोहित शेट्टी की चेन्नई एक्सप्रेस' में भी रोमांस किया। रिपोर्ट्स की मानें तो शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण जल्द ही बॉलीवुड की एक और बड़ी फिल्म के लिए फिर से मिल सकते हैं।

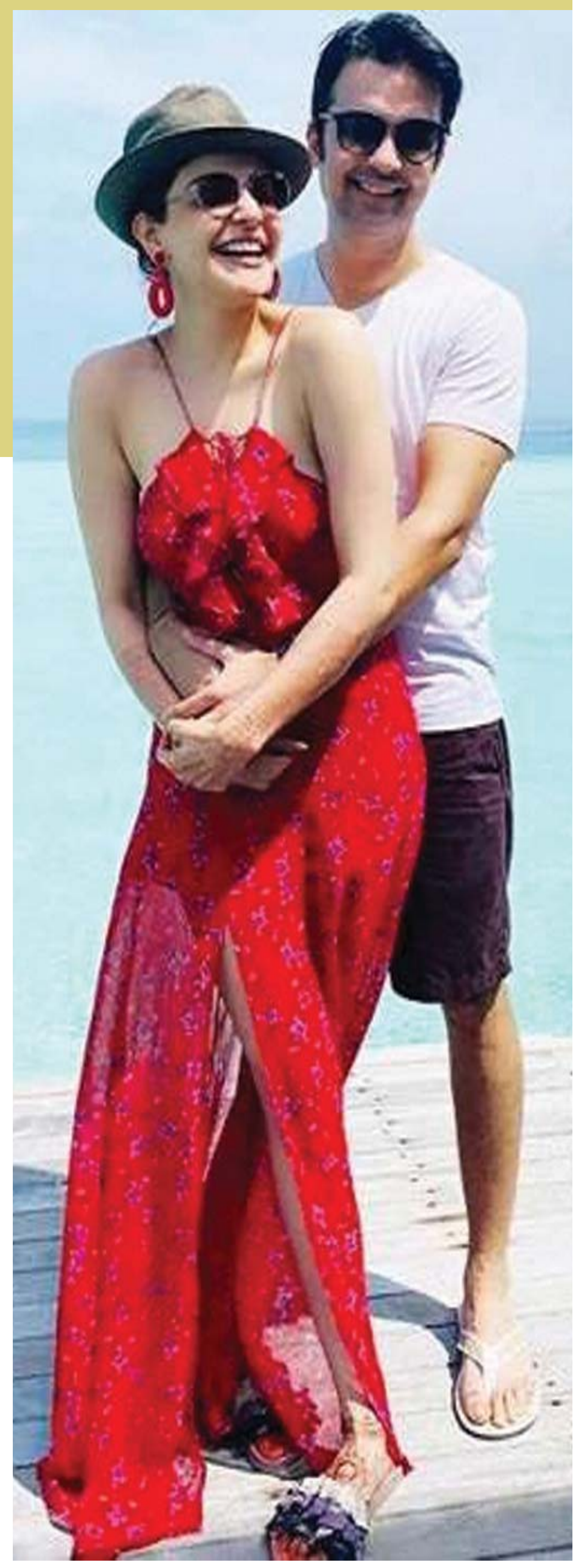

# काजल अग्रवाल ने शेयर की अपने हनीमून की तस्वीरें, रोमांटिक अंदाज में नजर आयी जोड़ी

सिंघम एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने 30 अक्टूबर 2020 को अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड गौतम किचलू के साथ शादी के बंधन में बंध गयी। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू की मुंबई के ताज कोलाबा में शादी परिवार की मौजूदगी में काफी धूमधान से हुई। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू इस समय अपने नयी शादी को मालदीव में एंजोय कर रहे हैं। काजल अग्रवाल और गौतम किचलू ने मालदीव में अपने हनीमून की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की है। दंपति 7 नवंबर को अपनी शादी के बाद मालदीव के लिए रवाना हुए थे।

काजल अग्रवाल ने रविवार को इंस्टाग्राम पर अपने हनीमून से कुछ तस्वीरें साझा की। तस्वीरों में, काजल और गौतम दोनों समुद्र तट पर खड़े हुए दिखाई पड़ रहे हैं। काजल ने रेड में फ्लोरल प्रिंट स्पेगेटी स्ट्रैप बीच ड्रेस पहनी थी। गौतम को सफेद शर्ट और भूरे रंग के शॉर्ट्स में कैजुअल लुक देते हुए देखा गया। इसके अलावा काजन ने एक तस्वीर और शेयर की है जिसमें केवल काजल के पैरों को देखा जा सकता हैं। कालज के पैरों में मेंहदी लगी हुई हैं। और उन्होंने एक टेबल पर अपने पैर रखें हुए हैं। टेबल पर चश्मा, हैंडबैग और टोपी रखी हुई हैं।

काजल अग्रवाल और गौतम किचलू शनिवार सुबह एक फ्लाइट से रवाना हुए। मालदीव पहुंचने के बाद उन्होंने रिसॉर्ट से अपनी एक तस्वीर साझा की। अपनी तस्वीर को साझा करते हुए, गौतम किचलू ने लिखा, फ्रआवश्यक सावधानी बरतते हुए फिर से यात्रा करने में सक्षम होने के लिए आभारी। धीरे-धीरे तेजी से हम सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। सुंदर स्थानों के प्रति मेरी दिलचस्पी बनी रहती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# अमेरिका के नए राष्ट्रपति जो बाइडेन का भारत से है पुराना रिश्ता

**(एजेंसी)।**

अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन 1970 के दशक के दौर से ही भारत-अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के हिमायती रहे हैं। वर्ष 2008 में दोनों देशों के बीच असैन्य परमाणु समझौते के लिए सीनेट की मंजूरी दिलवाने में उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी तथा आतंकवाद निरोधी कई विधेयकों का उन्होंने समर्थन भी किया। वर्ष 2001 में बाइडेन सीनेट की विदेशी संबंध समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश को पत्र लिखकर भारत पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की मांग की थी।

**ओबामा के कार्यकाल में उपराष्ट्रपति थे बाइडेन**

असैन्य परमाणु समझौते को अमलीजामा पहनाने के लिए जब दोनों देशों के बीच गहन बातचीत चल रही थी तब बाइडेन सीनेट में भारत के एक महत्वपूर्ण सहयोगी के तौर पर मौजूद थे।

वह समझौता दोनों मजबूत लोकतंत्रों के बीच संबंधों को और गहरा करने के लिए एक नींव साबित हुआ। सामरिक मामलों के जानेमाने विशेषज्ञ पी.एस. राघवन ने कहा कि राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में बाइडेन उपराष्ट्रपति थे और संबंधों को विकसित करने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा थे। हिंद-प्रशांत साझेदारी ओबामा के कार्यकाल में शुरू हुई थी।

**2013 में भारत आए थे बाइडन**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार रात को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता जो बाइडेन को बधाई दी। उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भारत-अमेरिकी संबंधों को और मजबूती प्रदान करने में उनके योगदान का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जो बाइडेन, शानदार जीत के लिए आपको बधाई। बतौर उपराष्ट्रपति, भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने में आपका योगदान महत्वपूर्ण और अमूल्य था। मैं भारत-अमेरिका संबंधों को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक बार फिर साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।

बाइडेन बतौर उपराष्ट्रपति जुलाई 2013 में चार दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, तब उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, तत्कालीन उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी से मुलाकात की थी और दिल्ली में गांधी स्मृति संग्रहालय भी गए थे। वह मुंबई भी गए थे जहां पर उन्होंने कारोबारी अगुवाओं से मुलाकात की थी और बंबई स्टॉक एक्सचेंज में नीति पर भाषण दिया था।

**अमेरिका में बाइडेन ने की थी पीएम मोदी की मेजबानी**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सितंबर 2014 में जब अमेरिका दौरे पर गए थे तब तत्कालीन उपराष्ट्रपति बाइडेन ने उनके लिए भोज की मेजबानी की थी। बराक ओबामा के कार्यकाल में भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक और रक्षा संबंधों में प्रमुख विस्तार हुआ और उसमें बाइडेन ने अहम भूमिका निभाई थी। ओबामा प्रशासन ने ही 2016 में भारत को अमेरिका का 'प्रमुख रक्षा साझेदार' का दर्जा दिया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थायी सदस्यता के दावे का भी ओबामा प्रशासन ने समर्थन किया था।

अपने प्रचार दस्तावेजों में बाइडेन ने अमेरिका-भारत साझेदारी को लेकर अपने दृष्टिकोण को पेश किया है तथा क्षेत्र में खतरों का सामना करने में भारत का साथ देने की बात कही है।

बीते कुछ वर्षों से अमेरिका और भारत के संबंधों में काफी विकास हुआ है और इसमें अमेरिका में मौजूद 40 लाख भारतीय-अमेरिकी लोगों की विशेष भूमिका रही है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है।

## पाकिस्तान में कोरोना की दूसरी लहर, शादी समारोह के लिए नए दिशा-निर्देश लागू

**इस्लामाबाद (एजेंसी):**

वैश्विक महामारी कोविड-19 की दुसरी लहर का सामना कर रहे पाकिस्तान ने देश में शादी समारोह के आयोजन के संबंध में नए दिशा-निर्देश लागू किए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 1,650 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर सोमवार को 3,44,839 हो गए। वहीं 9 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 6,977 हो गई। महामारी से निपटने वाली शीर्ष निकाय 'नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन सेंटर' (एनसीओसी) ने वायरस के प्रसार को रोकने के लिए शादी समारोहों के लिए अतिरिक्त दिशा-निर्देशों की घोषणा की है। दिशा-निर्देशों के अनुसार विवाह समारोह में शामिल लोगों को छह फुट की दूरी बनाए रखनी होगी,

समारोह दो घंटे से अधिक समय का ना हो और आयोजक रात 10 बजे कार्यक्रम समाप्त कर दे। साथ ही सामारोह में शामिल होने वाले हर शख्स और आयोजक का मास्क पहनना अनिवार्य है। सभी आयोजक प्रवेश बिंदु पर स्थल में बैठने की क्षमता का उल्लेख करें। 'थर्मल' जांच भी अनिवार्य है। उसके अनुसार बुफे डिनर / लंच पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और केवल 'लंच बॉक्स% में खाना देने तथा 'टेबल सर्विस% की अनुमति होगी। कार्यक्रम प्रबंधक को कम से कम 15 दिनों के लिए सभी मेहमानों और कर्मचारियों के नाम तथा सम्पर्क विवरण को अपने पास रखना होगा। आयोजकों को डेंगू के खिलाफ भी एहतियाती कदम उठाने होंगे। वहीं, राजधानी इस्लामाबाद में बढ़ते मामलों के मद्देनजर कई इलाकों में 'मिनी-लॉकडाउन' लगाया गया है।

## ऑस्ट्रेलिया के मालाबार युद्ध अभ्यास से भड़का चीन, आर्थिक नुकसान की दी धमकी

**सिडनी:** मालाबार युद्ध अभ्यास के कारण चीन और ऑस्ट्रेलिया के संबंधों में खटास बढत्रती जा रही है। मालाबार युद्ध अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया के भाग लेने से बौखलाया चीन अब धमकियों पर उतर आया है । चीन ने ऑस्ट्रेलिया को धमकी दी है कि इस युद्ध अभ्यास में भाग लेने से उसे जबरदस्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। बंगाल की खाड़ी में विशाखापट्टनम में शुरू मालाबार युद्ध अभ्यास में भारत के अलावा जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया हिस्सा ले रहे हैं जो इन चारों देशों के बीच रणनीतिक संबंध को दर्शाता है। इन चारों देशों के नौसेना अभ्यास का दूसरा चरण 17-20 नवंबर के बीच अरब सागर में शुरू होगा। 13 साल बाद चारों देशों की नौसेनाएं एक साथ अभ्यास कर रही हैं। चीन के अंग्रेजी दैनिक अखबार के संपादकीय में

ऑस्ट्रेलियाई सरकार पर धोखेबाजी करने का आरोप लगाते हुए आर्थिक नुकसान की धमकी दी गई है। संपादकीय में कहा गया है कि ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने घोषणा की, कि उनकी सरकार द्वारा विदेश नीति को ध्यान में रखते इस मामले में धैर्य रखा गया है जबकि अमेरिका द्वारा मालाबार युद्ध अभ्यास में चीन को शामिल नहीं किए जाने के प्रयास में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने जल्दबाजी की।

संपादकीय में कहा गया है कि इस साजिश के लिए ऑस्ट्रेलिया को सोचना चाहिए था, कि इसके बदले वॉशिंगटन को कुछ नहीं मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया अपनी इस गलतफहमी के लिए बड़ा नुकसान भुगतेगा।

## मिस्र में संसदीय चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण का मतदान समाप्त

**काहिरा:** मिस्र में संसदीय चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण का मतदान रविवार को समाप्त हो गया। इस चुनाव में निचले सदन में राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी को बहुमत मिलने की प्रबल संभावना है। दूसरे चरण में मिस्र के 27 में से 13 प्रांतों में दो दिन मतदान हुआ। तीन करोड़ 10 लाख से अधिक लोग इस चरण में मतदान करने के योग्य थे। राष्ट्रीय निर्वाचन प्राधिकरण के अनुसार, पिछले महीने पहले चरण में केवल 90 लाख लोगों यानी 28 प्रतिशत लोगों ने ही मताधिकार का प्रयोग किया था। दोनों चरणों में 6.3 करोड़ से अधिक लोग लोग मतदान के योग्य थे। अगस्त में सीनेट के चुनाव में मात्र 14.23 प्रतिशत लोगों ने मतदान में हिस्सा लिया था। संसदीय चुनाव के अंतिम चरण का मतदान स्थानीय समयानुसार रविवार रात नौ बजे समाप्त हुआ। चुनाव परिणाम इस सप्ताह अंत में आने की संभावना है।

# अफगानिस्तान के तस्करों के लिए एक नया बाजार बनकर उभरा दक्षिण अफ्रीका

**जोहानिसबर्ग (एजेंसी):**

अफगानिस्तान में मादक पदार्थों के तस्करों के लिए दक्षिण अफ्रीका एक नया बाजार बनकर उभर रहा है। 'ग्लोबल इनिशिएटिव अगेंस्ट ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम' (GI-TOC) की ताजा रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मादक पदार्थ मामलों के विशेषज्ञों के अनुसार स्थानीय तस्करों का कहना है कि ये आयात सामग्री अफगानिस्तान की जगह पाकिस्तान से है। GI-TOC में अवैध मादक पदार्थ बाजार मामलों के जानकार जैसन एलिघ ने 'संडे टाइम्स' को बताया कि संगठन ने शोध में इस बात पर गौर किया कि किस प्रकार से दक्षिणी और पूर्वी अफ्रीका विभिन्न प्रकार के मादक पदार्थों से प्रभावित हो रहा है। एलिघ ने कहा, '' अपने शोध के जरिए हमने अफ्रीका और दक्षिण अफ्रीका में अपूर्ति के नए रास्तों का पता लगाया है।'' उन्होंने कहा, '' कोमाटिपोर्ट (मोजाम्बे और दक्षिण अफ्रीका के बीच मुख्य सीमा चौकी) और मोजाम्बिक में (पोर्ट शहर) पेम्बा में मादक पदार्थों की जब्ती से इस नए मार्ग की पुष्टि भी हुई है।'' जीआई-टीओसी कई

देशों का एक संगठन है, जो संगठित अपराधों का विश्लेषण करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ काम करता है।

# गिलगित-बलटिस्तान हमेशा से जम्मू-कश्मीर का ही हिस्सा,अदालत ने भी लगाई कड़ी फटकार

**लंदन/पेशावर:** पाक अधिकृत कश्मीर में गिलगित-बाल्टिस्तान को लेकर जहां स्थानीय लोगों ने बगावत तेज कर दी है वहीं विदेशों और वैश्विक मंचों पर भी इसके खिलाफ आवाज मुखर हो रही है। इमरान सरकार द्वारा गलत ढंग से अंतरिम प्रांत का दर्जा देने के बाद यहां चुनाव के ऐलान के बाद यह मुद्दा और गर्मा गया है। इमरान खान की पार्टी (पीटीआई) के मंत्रियों द्वारा क्षेत्र में राजनीतिक अभियान चलाकर चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन पर जहां गिलगित-बाल्टिस्तान मुख्य अदालत ने कड़ी फटकार लगाई और तीन दिन में क्षेत्र छोड़ने को कहा है वहीं राजनीतिक कार्यकर्ता ने कहा कि गिलगित-बलटिस्तान हमेशा जम्मू और कश्मीर का ही हिस्सा रहेगा। लंदन में एक स्थानीय राजनीतिक कार्यकर्ता ने कहा कि गिलगित-बलटिस्तान हमेशा जम्मू और कश्मीर का ही हिस्सा रहेगा। इस क्षेत्र के पाकिस्तान का तथाकथित प्रांत बनने से यहां कभी विकास नहीं होगा। बलूचिस्तान से जुड़े एक चैनल से बातचीत में गिलगित-बलटिस्तान शोध संस्थान के अध्यक्ष सेंगे सेरिंग ने कहा कि यह क्षेत्र कभी भी पाकिस्तान का हिस्सा नहीं बनेगा। गिलगित-बलटिस्तान के लोगों ने देखा है कि पाकिस्तान का हिस्सा बनकर बलूचिस्तान में कभी भी कोई विकास नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि भारत में रह रहे गिलगित-बलटिस्तान के लोग भारतीय संविधान के तहत स्वतंत्रता और समानता के अधिकार के साथ जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि गिलगित-बलटिस्तान के लोग पिछले 73 सालों से किसी भी कानून के अधीन नहीं हैं। उनका कोई न्यायिक या संवैधानिक प्रमुख नहीं है। अगर हम भारत के साथ रहे होते तो हमें उनके संविधान के तहत जगह मिलती। पाकिस्तान से युद्ध के बाद 1971 में भारत ने तत्काल गिलगित-बलटिस्तान के कुछ गांवों को अपने अधिकार में ले लिया था। भारत सरकार ने उन्हें तत्काल संवैधानिक अधिकार और संवैधानिक सीमाएं प्रदान कर दी थीं। इसीलिए यहां के लोगों को संसद में अपने प्रतिनिधि भेजने का अवसर नहीं मिला। 'द न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस मलिक हक नवाज और जस्टिस अली बेग की दो सदस्यीय खंडपीठ ने आगामी चुनावों से पहले आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर दायर एक रिट याचिका पर यह फैसला सुनाया है। अदालत ने संघीय मंत्रियों और अधिकारियों को तीन दिनों में इलाका खाली करने का आदेश देते हुए गिलगित-बाल्टिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त राजा शाहबाज खान, मुख्य सचिव और सीएम को यह निर्णय जल्द लागू करने के निर्देश दिए। इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के नेता शेरी रहमान ने क्षेत्र में इमरान खान और उनके मंत्रियों पर राजनीतिक अभियान चलाकर आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की थी। रहमान ने कहा, पीएम इमरान खान और एक संघीय मंत्री अमीन यहां अवैध रूप से अपना पार्टी अभियान चला रहे हैं। गौरतलब है कि गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र एक विवादित इलाका है और इस पर भारत का दावा है।

## क्यूबा में कहर मचाने के बाद और प्रचंड हुआ 'इटा' तूफान, फ्लोरिडा पहुंचने की आशंका

**हवाना।** ऊष्णकटिबंधीय तूफान 'इटा' रविवार को क्यूबा में कहर मचाने के बाद अब फ्लोरिडा के दक्षिणी ओर बढ़ रहा है, जहां अधिकारियों ने तूफान से निपटने की तैयारियां कर ली है। इस तूफान से मेक्सिको और मध्य अमेरिका में कई लोगों की मौत हुई है और 100 से अधिक लोग लापता हैं। मियामी के 'यूएस नेशनल हरिकेन सेंटर% ने फ्लोरिडा खाड़ी सहित ओशन रीफ से ड्राई टॉर्टुगास तक तूफान और आंधी की चेतावनी जारी की है, जहां तूफान के रविवार रात या सोमवार तड़के पहुंचने का अनुमान है। फ्लोरिडा अधिकारियों ने 'बीच% (तट) , बंदरगाह , कोविड जांच केन्द्रों , सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बंद कर दिया है और लोगों से सड़कों से दूर रहने को कहा गया है। निचले इलाकों के लोगों के लिए मियामी और फ्लोरिडा में कई आश्रय स्थल भी बनाए गए हैं।

# इमरान के ईशनिंदा वाले ट्वीट पर UN वॉच ने फटकारा, कहा- आप UNHRC में रहने लायक ही नहीं

**इस्लामाबाद (एजेंसी):**

भारत के खिलाफ जहर उगल कर दुनिया में अपनी किरकिरी करवाने वाले पाकिस्तान ने अब फ्रांस को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संगठन में अपनी बेइज्जती करवाई है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित संस्था यूएन वॉच और प्रधानमंत्री इमरान खान के बीच अभिव्यक्ति की आजादी के मुद्दे पर जुबानी जंग तेज हो गई है। इमरान खान ने फ्रांस पर निशाना साधते हुए ट्वीट किया था कि अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर ईशनिंदा को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। इसके बाद ही यूएन वॉच ने उनके इस ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि आपकी संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संगठन (यूएनएचआरसी) में मौजूदगी बर्दाश्त के बाहर है।

बता दें कि पाकिस्तान पर लगातार मानवाधिकार उल्लंघन के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। इसके बावजूद इस साल चीन और रूस के साथ पाकिस्तान को भी संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संगठन का सदस्य बनाया गया है। उस समय भी यूएन वॉच ने एक बयान जारी कर पाकिस्तान के सदस्य बनने पर कड़ी आपत्ति जताई थी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित करने के लिए हमेशा ईशनिंदा कानून का उपयोग किया जाता है। तानाशाह जिया-उल-हक के शासनकाल में पाकिस्तान में ईशनिंदा कानून को लागू किया गया।

पाकिस्तान पीनल कोड में सेक्शन 295-बी और 295-सी जोड़कर ईशनिंदा कानून बनाया गया। दरअसल पाकिस्तान को ईशनिंदा कानून ब्रिटिश शासन से विरासत में मिला है।

1860 में ब्रिटिश शासन ने धर्म से जुड़े अपराधों के लिए कानून बनाया था जिसका विस्तारित रूप आज का पाकिस्तान का ईशनिंदा कानून है।

**यूएन वॉच का काम**

यूएन वॉच संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक एनजीओ है। जिसे अमेरिकन जेविस कमेटी (अमेरिकी यहूदी समिति) संचालित करती है। यह संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक परिषद को विशेष परामर्शदात्री स्थिति में एक मान्यता प्राप्त गैर सरकारी संगठन है। यूएन वॉच डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और डारफुर में मानवाधिकारों के हनन से निपटने के लिए सक्रिय रही है। इसके अलावा चीन, क्यूबा, रूस और वेनेजुएला जैसे शासन में मानवाधिकार हनन के खिलाफ भी मुखर रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### अफगानिस्तान में आत्मघाती कार बम हमले में 4 की मौत व 40 घायल

**काबुल।** अफगानिस्तान के दक्षिणी कंधार प्रांत में एक पुलिस अड्डे पर आत्मघाती कार बम हमले में कम से कम चार व्यक्तियों की मौत हो गयी जबकि 40 अन्य घायल हो गये। एक प्रांतीय अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। कंधार के जनस्वास्थ्य विभाग के प्रांतीय निदेशक मोहम्मद अशरफ नादरी ने बताया कि मैवांद जिले में रविवार देर रात यह हमला हुआ और अर्धचिकित्सा कर्मी ध्वस्त मकान के मलबे में फंसे लोगों को निकालने में अब भी जुटे हुए हैं। उनके अनुसार घायलों में सैनिक एवं आम लोग शामिल हैं। किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है, वैसे शक की सूई तालिबान की ओर जा रही हैं। तालिबान एवं अफगानिस्तान सरकार के बीच कतर में शांति वार्ता के बावजूद हाल के महीनों में देश में हिंसा बढ़ गयी है ।

### एक्सपर्ट की चेतावनी, कोरोना को दूसरी नहीं तीसरी लहर भी आएगी

**इंटरनेशनल डेस्क।** यूरोपीय देश स्पेन, फ्रांस और ब्रिटेन में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर कुछ हिस्सों में लॉकडाउन की तरह के प्रतिबंध लगाए है। इन देशों में दूसरे दौर में कोरोना और खतरानाक रूप में सामने आया है। इस कारण यूरोप के एक सबसे अहम देश फ्रांस ने तो बकायदा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा कर दी है। वहीं कोरोना के चलते एक्सपर्ट ने कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण की दूसरी लहर को लेकर सवाल यह नहीं है कि ये आएगी या नहीं. बल्कि, सवाल यह है कि ये कब आएगी और कितनी भयावह होगी। ब्रिटिश कोरोना एक्सपर्ट का कहना है कि लॉकडाउन से कोरोना खत्म नहीं होता बल्कि समस्या थोड़ी आगे बढ़ जाती है। प्रोफेसर मार्क वूलहाउस का कहना है कि नजदीकी आपदा को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाने चाहिए ताकि फिलहाल संक्रमण कम हो जाए लेकिन इससे वायरस भागता नहीं है। बीबीसी वन के एक शो में भाग लेते हुए प्रोफेसर मार्क वूलहाउस ने ब्रिटेन के संदर्भ में कहा कि पिछले आकलन में भी सितंबर में दोबारा लॉकडाउन की जरूरत बताई गई थी। जब प्रोफेसर मार्क वूलहाउस से पूछा गया कि क्या कोरोना की तीसरी लहर भी आएगी, उन्होंने कहा कि यह बिल्कुल संभव है। उन्होंने कहा कि अगर लगता है कि अगले 6 या 12 महीने में वैक्सीन नहीं आ रही है तो हमें वैकल्पिक रास्ते तलाशने की जरूरत होगी जैसे कि बड़ी आबादी के लिए टेस्टिंग की व्यवस्था वगैरह। एक्सपर्ट ने चेतावनी दी है कि कोरोना को दूसरी नहीं तीसरी लहर भी आएगी। जिन देशों में मामले घट रहे हैं, वे सिर्फ देखते ही ना रहें, यहां केसों में अचानक वृद्धि हो सकती है। इसलिए सरकारें महामारी को रोकने के लिए तैयार रहें।

### बुश ने दी बाइडेन, हैरिस को बधाई, चुनाव को ''मूलतः निष्पक्ष'' बताया

**वाशिंगटन,** रिपब्लिकन पार्टी के नेता एवं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने कहा है कि अमेरिकी इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव ''मूलत॰ निष्पक्ष थे, इनकी अखंडता बरकरार रखी जाएगी और इनका परिणाम स्पष्ट है''। बुश ने साथ ही कहा कि निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को इसे कानूनी आधार पर चुनौती देने का अधिकार है। बुश ने निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन से फोन पर बात करने के बाद एक बयान में कहा कि उन्होंने बाइडेन को बधाई दी और चुनाव में जीत के बाद राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में ''देशभक्ति का संदेश'' देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हालांकि उनके और बाइडेन के बीच राजनीतिक मतभेद हैं, लेकिन वह जानते हैं कि बाइडेन ''एक अच्छे इंसान है'' जो देश को एकजुट करेंगे। बुश ने कहा, ''निर्वाचित राष्ट्रपति ने दोहराया कि हालांकि वह डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़े, लेकिन वह सभी अमेरिकियों के लिए काम करेंगे। मैंने उनके लिए भी वही कहूंगा,जो मैंने (निवर्तमान) राष्ट्रपति ट्रंप और (पूर्व राष्ट्रपति) बराक ओबामा से कहा था॰ मैं उनकी सफलता की कामना करता हूं और उनकी हर संभव मदद करने का संकल्प लेता हूं।'' उन्होंने निर्वाचित उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को भी जीत की बधाई दी। बुश ने कड़ी मेहतन से लड़े गए चुनाव के लिए ट्रंप एवं उनके समर्थकों को बधाई दी। ट्रंप ने अपनी हार स्वीकार नहीं की है और चुनाव में अनियमितताओं का आरोप लगाया है। बुश ने कहा, ''इस चुनाव में बड़ी संख्या में हमारे नागरिकों ने मतदान किया, जो अमेरिका के लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए सकारात्मक संकेत है और दुनिया को उसकी ताकत दिखाता है।'' उन्होंने कहा, ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने कैसे मतदान किया, आपका मत गिना गया।'' बुश ने कहा, ''अमेरिका के लोग इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि यह चुनाव मूलतः निष्पक्ष था, इसकी अखंडता बरकरार रखी जाएगी और इसका परिणाम स्पष्ट है।''

## चीन ने बाइडेन को जीत पर नहीं भेजा बधाई संदेश, कहा-'पिक्चर अभी बाकी'

**बीजिंग (एजेंसी):**

चीन ने अमेरिका में चुनावी जीत पर सोमवार को कहा कि उसने राष्ट्रपति चुनावों में जो बाइडेन की जीत के ऐलान पर संज्ञान लिया है लेकिन फिलहाल कोई बधाई संदेश भेजने से परहेज कर रहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि अमेरिकी कानून व प्रक्रियाओं के तहत चुनाव के नतीजों का निर्धारण होगा और चीन अपनी भावनाएं जाहिर करने में अंतरराष्ट्रीय रवायतों का पालन करेगा। सरल शब्दों में कहा जाए तो चीन का मामना है कि जब तक पिक्चर क्लीयर नहीं हो जाती तब तक उसका शांत रहना ही उचित है। व्यापार, प्रौद्योगिकी और एशिया व दुनिया के अन्य हिस्सों में प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा की वजह से बढ़ते गतिरोध के कारण चीन के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ रिश्ते तल्ख रहे थे। विश्लेषकों का कहना है कि बाइडेन के रिश्तों को कम तनाव वाली श्रेणी में लेकर आने की उम्मीद है, यद्यपि बीजिंग पूरे चुनाव के दौरान सीधे उस मुद्दे पर टिप्पणी न करने की नीति

बरकरार रखते हुए इसे अमेरिका का आंतरिक राजनीतिक मामला करार देता रहा है। वांग ने अपनी दैनिक ब्रीफिंग में कहा, ÷मैंने संज्ञान लिया कि बाइडेन ने चुनाव में जीत की घोषणा की है। हम समझते हैं कि राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों का निर्धारिण अमेरिकी कानूनों और प्रक्रियाओं के जरिये होगा।÷ नतीजों पर बयान के संदर्भ में वांग ने कहा कि चीन ÷अंतरराष्ट्रीय रवायतों का पालन करेगा।÷ चीन उन चुनिंदा प्रमुख राष्ट्रों में से एक है जिन्होंने चुनावों पर अब तक बयान जारी नहीं किया है। कई दिनों तक चली मतगणना के बाद डेमोक्रेट बाइडेन राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। ट्रंप ने हालांकि अभी हार स्वीकार नहीं की है और कई जिलों में मतगणना को चुनौती दे रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## सार समाचार

### जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी कामयाबी, आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, हथियार और गोला-बारूद बरामद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सोमवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ करते हुए वहां से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामदकिया। पुंछ के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रमेश अंग्राल ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह और सेना के 10 असम राइफल्स ने पुंछ के किर्नी सेक्टर में सोमवार तड़के तलाशी अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान एक थैले से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद नियंत्रण रेखा के निकट पत्थर के नीचे से बरामद हुए। उन्होंने बताया कि हथियारों में चार एके-56 राइफल, 141 एके गोलियां, दो एजीएल ग्रेनेड, दो हथगोला, डायरी और अन्य सामान बरामद हुए।उन्होंने बताया कि प्राथमिक जांच से पता चला है कि हथियारों का यह जखीरा कश्मीर घाटी में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के लिए था। पुंछ में पुलिस थाने में इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है।

### अब शिकायत दर्ज कराना होगा और भी आसान, दिल्ली पुलिस का नया सिस्टम हुआ लॉन्च

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस का इंटग्रेटेड कंप्लेट मैनेजमेंट सिस्टम अब इस्तेमाल करने के लिए पूरी तरह तैयार हो चुका है। बता दें कि इस सिस्टम से अब दिल्ली पुलिस को मिलने वाली शिकायतों के बेहतर तरीके से निपटारे को सुनिश्चित करने और शिकायतकर्ताओं की संतुष्टि का स्तर बढ़ाएगा।यह सिस्टम सोमवार को लॉन्च किया गया है। इस सिस्टम के इस्तेमाल के साथ-साथ इसके तकनीकी दिक्कतों को भी देखा जाएगा। इस्तेमाल करते वक्त अगर सिस्टम में कोई भी दिक्कतों का सामना करना पड़ा तो उसे जल्द से जल्द ठीक भी किया जाएगा। इसेक अलावा, इस सिस्टम में यह भी देखा जाएगा कि थाना स्तर से लेकर जिलों और रेंजों के स्तर तक इस सिस्टम का सही इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं। अगर इस सिसिटम में कोई भी दिक्कते नहीं आई तो इसे बड़े पैमाने में ऑफिशियल लॉन्च कर दिया जाएगा।

### शाहनवाज हुसैन को अभी भी है उम्मीद, नीतीश कुमार ही बनेंगे मुख्यमंत्री

नयी दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में अंतिम दौर के मतदान के बाद जारी अधिकांश एग्जिट पोल में भले ही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व वाले विपक्षी महागठबंधन को बढ़त दिखाई गई हो लेकिन भाजपा को पूरा भरोसा है कि नतीजे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पक्ष में आएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने मतगणना से एक दिन पहले सोमवार को दावा किया कि बिहार में भारी बहुमत से राजग की सरकार बनने जा रही है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री पद की कमान संभालेंगे। उन्होंने एक बयान जारी कर कहा, ''बिहार में तीनों चरणों के चुनाव संपन्न होने के बाद एक बात तय है कि जनता के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर खासा उत्साह रहा और भारी संख्या में मतदाताओं ने राजग के पक्ष में मतदान किया है।'' एक्जिट पोल में जताए गए अनुमानों को खारिज करते हुए उन्होंने दावा किया कि नतीजे राजग के पक्ष में आएंगे। उन्होंने कहा, ''कल यानी 10 नवंबर को दोपहर 12 बजे तक यह तय हो जाएगा कि बिहार में भारी बहुमत से राजग की सरकार बनने जा रही है और नीतीश कुमार फिर से बिहार के मुख्यमंत्री पद की कमान संभालेंगे।''

### देश में कोरोना के 45,903 नए मामले, 490 और लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में कोविड-19 के 45,903 नए मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमण के मामले बढ़कर 85,53,657 हो गए। वहीं 79 लाख से अधिक लोगों के संक्रमण मुक्त होने के साथ ही मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 92.56 प्रतिशत हो गई। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार देश में 490 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 1,26,611 हो गई। आंकड़ों के अनुसार अभी तक कुल 79,17,373 लोगों के संक्रमण मुक्त होने के बाद मरीजों के ठीक होने की दर बढ़कर 92.56 प्रतिशत हो गई है।

### बिहार चुनाव: चिदंबरम ने कहा- लोग संदेश देंगे कि नौकरी, महंगाई मुख्य मुद्दे हैं

नयी दिल्ली। कई एक्जिट पोल में बिहार में राजद नीत महागठबंधन को सत्तारूढ़ राजग पर बढ़त दिखाए जाने के एक दिन बाद कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि राज्य के लोग स्पष्ट संदेश देंगे कि वे नौकरी, भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और महंगाई जैसे मुद्दों को लेकर चिंतित हैं। कई एक्जिट पोल में शनिवार को राजद नीत महागठबंधन को बिहार में सत्तारूढ़ राजग पर बढ़त दिखाया गया जबकि उनमें से तीन ने अनुमान जताया कि 'महागठबंधन' को स्पष्ट बहुमत मिलेगा, जिसने तेजस्वी यादव को अपना मुख्यमंत्री का चेहरा पेश किया है। अधिकतर एक्जिट पोल में यह भी अनुमान जताया गया है कि 243 सदस्यीय विधानसभा में राजद सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरेगी जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू) के सीटों में काफी कमी आएगी। चिदंबरम ने कहा, ''मोदी (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी) मानते हैं कि वह हर चुनाव को हिंदुत्व, राम मंदिर, पुलवामा, अनुच्छेद 370 को समाप्त करना, सीएए और हर विपक्षी दल तथा विपक्षी नेता को देश विरोधी बताकर जीत लेंगे।'

# पीपीडी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा- घाटी में बढ़ रहा है आतंकवाद, युवा इसी ओर जाने लगे

जम्मू। (एजेंसी)

पीपीडी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोमवार को इस बात पर बल दिया कि पाकिस्तान और जम्मू कश्मीर में संबंधित पक्षों के साथ वार्ता तथा सीमापार रास्तों को खोलने से शांति आ सकती है और इस समस्या का स्थायी हल मिल सकता है। महबूबा मुफ्ती ने भाजपा को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा बताये गये रास्ते पर चलने का सुझाव दिया। पूर्व मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि घाटी में 'आतंकवाद बढ़ रहा है' तथा ''बीच का कोई रास्ता नहीं छोड़े जाने एवं सत्ता के दम पर असंतोष की आवाज को बंद करा दिये जाने ' के बाद अधिकाधिक युवा 'जेल जाने के बजाय आतंकवाद की रास्ते' की ओर जाने लगे हैं। जम्मू की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के समापन पर महबूबा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''घृणा और विभाजन की राजनीति के जरिए माहौल बिगाड़ने के प्रयास किये जा रहे हैं। भाजपा के शासन में आतंकवाद बढ़ने के कारण हम जैसे लोगों के लिए कश्मीर में रहना मुश्किल हो रहा है।''

उन्होंने कहा, '' वे कह रहे हैं कि आतंकवाद का सफाया हो गया है जबकि हकीकत यह है कि हर गांव से कम से कम 12-15 युवक आतंकवाद से जुड़ रहे हैं।'' जन सुरक्षा कानून के तहत 14 महीने की हिरासत से मुक्त किये जाने के बाद महबूबा की यह पहली जम्मू यात्रा थी। उन्हें पिछले साल जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे को हटाये जाने के बाद हिरासत में लिया गया था। उन्होंने कहा कि आतंकवाद बढ़ रहा है क्योंकि ''आपने (भाजपा ने) सभी आवाजें दबा दीं और लोगों के लिए बीच का रास्ता छोड़ा ही नहीं। युवा दो विकल्पों पर विचार कर रहा है- जेल जाया जाए या बंदूक उठाया जाए तथा वह जेल जाने के बजाय मारे जाने के लिए दूसरा रास्ता चुन रहा है।''

महबूबा ने कहा कि सीमा पर स्थिति लोगों के लिए चिंता का सबब है क्योंकि स्थानीय लोगों को निरंतर सीमापार गोलाबारी से अपनी जान का डर सता रहा है। जब उनसे कहा गया कि पाकिस्तानी गोलाबारी एवं उसमें नागरिकों के हताहत होने में कमी नहीं आ रही है, तब ऐसे में उससे संवाद कैसे संभव है, तो उन्होंने कहा, '' हमें पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा बताये गये रास्ते से मार्गदर्शन प्राप्त करना होगा।'' उन्होंने कहा, ''कारगिल युद्ध और संसद पर हमले के बावजूद उन्होंने पाकिस्तान के साथ दोस्ती की, फलस्वरूप आतंकवाद घटा था एवं सीमा पर गोलीबारी भी रूकी थी। ''

महबूबा ने कहा, '' हमें उससे मार्गदर्शन प्राप्त करना होगा और उसके (पाकिस्तान के) साथ तथा जम्मू कश्मीर में संबंधित पक्षों के साथ बातचीत करनी होगी। जब हम चीन के साथ आठ दौर की बातचीत कर सकते हैं जिसने हमारे हमारे 20 सैनिकों को शहीद कर दिया और हमने अंगुली भी नहीं उठायी।'' उन्होंने कहा, '' हम अपनी एक एक इंच जमीन के लिए उनके साथ बातचीत कर रहे हैं जबकि उसने हमारी 100 वर्गकिलोमीटर जमीन कब्जा कर ली है। यह दोहरा मापदंड क्यो है? उन्हें याद करना चाहिए कि वाजपेयी उनके मार्गदर्शक हैं और उन्हें उनके बताये रास्ते पर चलना चाहिए।'' उन्होंने कहा, '' जम्मू कश्मीर के दोनों हिस्से हमारे हैं। हमें जम्मू कश्मीर के दोनों हिस्सों को साथ लाने और जम्मू कश्मीर का स्थायी समाधान ढूढने के लिए मार्गों को खोलना होगा ताकि इस क्षेत्र में शांति आए और अपनी आक्रामकता दिखा रहा चीन भी रूके।'' महबूबा ने कहा कि वह चाहती हैं कि जम्मू कश्मीर भारत एवं उसके पड़ोसियों के बीच 'शांति एवं मैत्री' का सेतु बने।

## पंजाब में पराली जलाने का टूटा रिकॉर्ड, धुएं से दिल्ली के लोगों का घुट रहा दम

**नई दिल्ली।** कोरोना महामारी के साथ-साथ प्रदूषण अब राजधानी दिल्ली में कहर बनकर बरपा है। बता दें कि प्रदूषण का स्तर इतना बढ़ने के पीछे किसानों द्वारा जलाई जा रही पराली है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा था कि पराली जलाने की समस्या जल्द खत्म हो जाएगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। बता दें कि पंजाब में पराली जलाने के मामले में तीन साल के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। जानकारी के मुताबिक, पराली जलाने के मामले 3500 के पार हो गया है जिसका धुंआ अब दिल्ली में भी देखने को मिल रहा है। बता दें कि रविवार को पराली के धुंए से दिल्ली 29 फीसदी प्रदूषित हो गई है।

अक्सर नवंबर तक पराली जलाने के मामलों में कमी आ जाती है लेकिन पहले हफ्ते बीत जाने के बावजूद भी यह समस्या ठीक नहीं हो रही है। एक्सपर्ट के मुताबिक,साल 2019 में सरकार द्वारा जारी किए सख्त कानून के कारण से किसान पराली जलाने में नाकामयाब हुई थी लेकिन इस बार कोरोना के कारण किसानों को आर्थिक समस्या से भी काफी जूझना पड़ रहा है। एक खबर के अनुसार, पंजाब में पराली जलाने के मामलों में काफी तेजी आई है , जहां 7 नवंबर को पराली जलाने के मामले 58448 आए हैं वहीं आने वाले समय में इन संख्या में और भी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। पंजाब के संगरूर में 6876, फिरोजपूर में 5609, भंटिडा में 4451, पटियाला में 4344 और तरन तारन में 4238 पराली जलाने के मामलें सामने आ चुके हैं।

# 'लोकल फॉर दिवाली' को अपनाएं, इससे अर्थव्यवस्था में नयी चेतना आएगी: पीएम मोदी

वाराणसी। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को त्योहारों के मौसम में देशवासियों से स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए ''लोकल फॉर दिवाली'' का आह्वान किया और उम्मीद जताई कि इससे अर्थव्यवस्था में नई चेतना आ जाएगी। अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 600 करोड़ रुपये से अधिक की 30 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि स्थानीय उत्पादों का निर्माण करने वालों को बढ़ावा मिलने से उनका हौसला बुलंद होगा जो हिन्दुस्तान को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने में एक बड़ी भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, ''आजकल, 'लोकल के लिए वोकल' के साथ ही, 'लोकल फोर दिवाली' के मंत्र की गूंज चारों तरफ है। हर एक व्यक्ति जब गर्व के साथ लोकल सामान खरीदेगा, नए-नए लोगों तक ये बात पहुंचाएगा कि हमारे लोकल प्रोडक्ट कितने अच्छे हैं, किस तरह हमारी पहचान हैं, तो ये बातें दूर-दूर तक जाएंगी।''

उन्होंने कहा, ''मेरा बनारस के लोगों से भी और देशवासियों से भी आग्रह है कि 'लोकल फोर दिवाली' को खूब बढ़ावा दें और उनका प्रचार करें।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे स्थानीय पहचान तो मजबूत होगी ही, जो लोग इन सामानों को बनाते हैं उनकी दिवाली भी और रोशन हो जाएगी। उन्होंने कहा, ''मैं देशवासियों से बार-बार आग्रह करता हूं कि 'लोकल के लिए वोकल' बनें। हर कोई लोकल के साथ दिवाली मनाए, आप देखिए पूरी अर्थव्यवस्था में नई चेतना आ जाएगी'' मोदी ने कहा कि लोकल के लिए वोकल बनने का अर्थ सिर्फ दीये खरीदना नहीं है, हर चीज है। उन्होंने कहा, ''ऐसी चीज जो अपने देश में बनना संभव नहीं है, बाहर से लेना ही पड़ेगा तो वह अलग बात है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि ऐसी चीजों को गंगा जी में बहा दीजिए।'' उन्होंने कहा, ''मैं इतना ही चाह रहा हूं कि मेरे देश के लोग जो पसीना बहा रहे हैं, मेरे देश के नौजवान अपनी बुद्धिशक्ति और सामर्थ्य से कुछ न कुछ नया करने की कोशिश कर रहे हैं, उनकी उंगली पकड़ना, उनका हाथ पकड़ना हम सबका दायित्व बनता है। हम उनकी चीजें लेते हैं तो उनका हौसला बुलंद हो जाता है। अपने आप विश्वास से भरा एक बड़ा वर्ग तैयार हो जाएगा, जो हिंदुस्तान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए एक नई शक्ति बन जाएगा।''

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान बनारस में हुए विकास कार्यो का भी विस्तार से जिक्र किया और कहा कि कई क्षेत्रों में पूर्वांचल का यह केंद्र तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ''एक तरफ शिलान्यास हो रहा है तो दूसरी तरफ लोकार्पण हो रहा है। आज भी लगभग 220 करोड़ रुपये की योजनाओं के लोकार्पण के साथ-साथ करीब 400 करोड़ रुपये की 14 योजनाओं पर काम शुरू हुआ हैं।

## पटाखे नहीं जलाने पर भाजपा नेता का जबरदस्त विरोध, बोले- शोर रहित शुक्रवार और रक्तहीन बकरीद भी होनी चाहिए

**बेंगलुरु।** भाजपा के वरिष्ठ नेता बासनगौड़ा पाटिल यत्नाल ने सोमवार को दिवाली पर पटाखे नही जलाने और पर्यावरण के अनुकूल गणेशोत्स्व मनाए जाने के आह्वान पर जबरदस्त विरोध दर्ज कराते हुए कहा कि इसके साथ ही शोर रहित शुक्रवार और रक्तहीन बकरीद भी मनायी जानी चाहिए। साथ ही कहा कि 31 दिसंबर की रात को उत्सव मनाए जाने के दौरान भी पटाखे नहीं जलाए जाने चाहिए। यत्नाल ने ट्विटर पर कहा कि हिंदू गणेशोत्सव, दशहरा-दुर्गापूजा और दिवाली पर एकत्र होते हैं जोकि साल में एक बार आते हैं लेकिन जब त्योहार आते हैं तो हमें पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव मनाने औरदिवाली पर पटाखे जलाने के उपदेश दिये जाते हैं। विजयपुरा से विधायक यत्नाल ने कहा कि शोर रहित दिवाली एवं पर्यावरण अनुकूल गणेशोत्सव के साथ ही शोर रहित शुक्रवार, रक्तहीन बकरीद और पटाखे के बिना 31 दिसंबर की रात का उत्सव मनाया जाना चाहिए। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, रक्तहीन बकरीद होनी चाहिए, 31 दिसंबर की रात को पटाखे नहीं जलाए जाने चाहिए और शुक्रवार को लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होना चाहिए। हम अपने घरों में दिए जलाएंगे और उन्हें बिना स्पीकरों के नमाज अदा करने दीजिए। सड़कों पर भी नमाज नहीं पढ़ी जानी चाहिए। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शुक्रवार को हरित पटाखे के साथ दिवाली मनाने की जनता से अपील की थी।

## तालोजा जेल में ही रहेंगे अर्नब गोस्वामी, उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत याचिका खारिज की

मुंबई। (एजेंसी)।

बंबई उच्च न्यायालय ने इंटीरियर डिजाइनर को आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़े 2018 के एक मामले में सोमवार को रिपब्लिक टीवी के प्रधान संपादक अर्नब गोस्वामी और दो अन्य लोगों को अंतरिम जमानत देने से इंकार कर दिया। न्यायमूर्ति एस. एस. शिंदे और न्यायमूर्ति एम. एस. कर्णिक की खंडपीठ ने गोस्वामी और दो अन्य आरोपियों फिरोज शेख और नीतीश सरदा की अंतरिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि ''मौजूदा मामले में उच्च न्यायालय द्वारा असाधारण अधिकार क्षेत्र के प्रयोग किए जाने का कोई मामला नहीं बनता है।''

उच्च न्यायालय से जमानत याचिका खारिज होने के बाद गोस्वामी को अब तालोजा जेल में ही रहना पड़ेगा। गोस्वामी, शेख और सरदा को अलीबाग पुलिस ने आरोपियों की कंपनी द्वारा बकाया राशि का कथित रूप से भुगतान नहीं किए जाने के कारण 2018 में अन्वय नाइक और उनकी मां को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में चार नवंबर को गिरफ्तार किया था। अदालत ने सोमवार को अपने आदेश में कहा, ''याचिका दायर करने वालों के पास संबंधित सत्र अदालत से जमानत पाने का प्रभावी तरीका है। हम पहले ही कह चुके हैं कि अगर ऐसी कोई जमानत याचिका दायर होती है तो सत्र अदालत उस पर चार दिनों के भीतर फैसला करे।''

पीठ ने कहा कि अंतरिम जमानत याचिका खारिज होने से याचिका कर्ता के समक्ष नियमित जमानत पाने का जो विकल्प है वह प्रभावित नहीं होगा। उसने कहा कि सत्र अदालत अर्जी पर गुण-दोष के आधार पर सुनवाई कर अपना फैसला देगी। गोस्वामी के वकील गोरव पारकर ने सोमवार को बताया कि उन्होंने अलीबाग सत्र अदालत में जमानत की अर्जी दी है। सत्र अदालत फिलहाल मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले की समीक्षा याचिका पर भी सुनवाई कर रही है। याचिका में अलीबाग पुलिस ने गोस्वामी और मामले के दो अन्य आरोपियों को पुलिस हिरासत में नहीं भेजने और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने के मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले को चुनौती दी है।

गोस्वामी और दो अन्य आरोपियों फिरोज शेख तथा नीतीश सरदा ने मामले में उनकी ''गैरकानूनी गिरफ्तारी'' को चुनौती देते हुए अदालत से अंतरित जमानत का अनुरोध किया था। तीनों ने अंतरिम जमानत के अलावा उच्च न्यायालय से अनुरोध किया था कि मामले में उनके खिलाफ जांच पर रोक लगा दी जाए और दर्ज प्राथमिकी को रद्द कर दिया जाए।

## ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों को नियंत्रित करने के लिए हस्तक्षेप की मांग की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों में कमी लाने, जमाखोरी को नियंत्रित करने और आपूर्ति बढ़ाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप करने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि आलू और प्याज जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों पर राज्य सरकार के नियंत्रण की शक्ति को फिर से बहाल किया जाए। प्रधानमंत्री को चार पन्ने के पत्र में उन्होंनेलिखा, ''मामले की गंभीरता को देखते हुए मैं केंद्र सरकार से आग्रह करती हूं कि जमाखोरी को नियंत्रित करने, आपूर्ति को बढ़ाने तथा आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी लाने के लिए तुरंत कदम उठाए क्योंकि जनता को बेहद किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। अन्यथा राज्य सरकार की शक्ति को बहाल किया जाए कि वह कृषि उत्पाद, आपूर्ति, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण कर सके।'' बनर्जी ने मोदी से आग्रह किया कि राज्यों को कृषि उत्पाद, आपूर्ति, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण करने के लिए उपयुक्त कानून लाने की अनुमति दी जाए। पत्र में कहा गया है, ''राज्य सरकार को इसकी शक्तियों से वंचित कर दिया गया है और वह आम जनता की दिक्कतों को देखते हुए मूकदर्शक बनी नहीं रह सकती है क्योंकि आलू और प्याज जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं।'' संसद ने 23 सितम्बर को आवश्यक खाद्य पदार्थ (संशोधन) विधेयक पारित कर अनाज, दाल, तिलहन, खाद्य तेल, प्याज और आलू को आवश्यक वस्तुओं की सूची से बाहर कर दिया था।

## अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन में बोले पुरी, कोरोना के बाद शहरों में परिवहन को लेकर व्यवहार में बदलाव की संभावना: पुरी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद शहरों में परिवहन, आवाजाही संबंधी व्यवहार में बदलाव आने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री ने '13वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन' को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में पर्यावरण अनुकूल, एकीकृत, स्वचालित और निजी यात्रा सेवाओं की मांग बढ़ेगी। इस वर्ष सम्मेलन का मुख्य विषय 'इमर्जिंग ट्रेंड्स इन अर्बन मोबिलिटी' यानि शहरी गतिशीलता का उभरता रुख था।

मंत्री ने कहा कि परिवहन व्यवस्था में बेहतरी और यातायात प्रबंधन को लेकर उपायों से बड़े शहरों में आवागमन सुलभ होगा। पुरी ने कहा, ''कोविड-19 महामारी के बाद शहरों में आवाजाही के संबंध में व्यवहार में बदलाव नजर आने की संभावना है। मौजूदा संकट लंबे विकास लक्ष्यों के प्रति शहरी परिवहन को बेहतर करने के अवसर जैसा भी है।'' उन्होंने कहा कि आधारभूत संरचनाओं में निवेश से लोगों के निवास स्थानों में भी बदलाव होगा और सामानों की आवाजाही से आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। वर्तमान में इससे रोजगार का सृजन होगा और भविष्य में विकास और उत्पादकता बढ़ेगी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उसने एक विस्तृत परामर्श जारी किया है कि इस कठिन समय में किस तरह देश को आगे बढ़ने की जरूरत है। यह तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है-सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की बेहतरी, प्रौद्योगिकी का समावेश और शहरी परिवहन व्यवस्था में एनएमटी सिस्टम को शामिल करना। मंत्रालय ने कहा, ''विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि शहरों के आकार के आधार पर 16-57 प्रतिशत शहरी यात्री पैदल चलते हैं और करीब 30-40 प्रतिशत साइकिल का इस्तेमाल करते हैं।'' मंत्रालय ने कहा कि इसे एक अवसर मानते हुए इन माध्यमों को प्राथमिकता के साथ विस्तारित कर यात्रियों को निजी वाहनों का सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर विकल्प मुहैया कराने की जरूरत है। इसे खासकर अन्य माध्यमों के साथ जोड़ा जाए और यह सबके लिए किफायती हो।

# उत्तराखंड की स्थापना के 20 बरस पूरे, मुख्यमंत्री रावत ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

देहरादून। (एजेंसी)।

उत्तराखंड की स्थापना के 20वर्ष सोमवार को पूरे हो गए और इस अवसर पर मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने महिला सशक्तीकरण, किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और पूरे राज्य के विकास के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर यहां पुलिस लाइन में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा, ''किसी राज्य की विकास यात्रा में 21 वर्ष का समय बहुत लंबा नहीं होता लेकिन चीजों का जायजा लेने या यह निर्णय लेने के लिए कि हम सही दिशा में जा रहे हैं या नहीं, यह बहुत छोटा वक्त भी नहीं है। जब मैं पीछे देखता हूं, तो मैं कह सकता हूं कि उत्तराखंड में हाल के वर्षों में विकास ने निश्चित रूप से गति पकडी है।'' नौ नवंबर 2000 को उत्तर प्रदेश से अलग होकर उत्तराखंड एक नया राज्य बना था।

महिलाओं को राज्य की ग्रामीण अर्थ व्यवस्था की रीढ बताते हुए रावत ने कहा, ''प्रदेश में 30,000 स्वयं सहायता समूह हैं जिनमें से 18,000सक्रिय हैं। हम इन समूहों और ग्रामीण विकास केन्द्रों के जरिए महिलाओं को पांच लाख रुपए तक ब्याज मुक्त ऋण दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसी प्रकार, हम किसानों को भी एक लाख से तीन लाख रुपए तक ब्याज मुक्त ऋण देंगे।'' महिला उद्यमी प्रेमा भंडारी का उदाहरण देते हुए रावत ने कहा कि केवल 500 रुपए से उन्होंने मशरूम की खेती शुरू की थी और आज वह 30,000 रुपए से लेकर 40,000 रुपए प्रतिमाह तक की आय अर्जित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कोविड-19 के कारण अन्य राज्यों से घर लौटे लोगों के लिए राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना और सौर स्वरोजगार योजना के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर अलग से एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी सरकार की कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति का जिक्र करते हुए कहा कि इसने सत्ता के गलियारों को भ्रष्ट और माफिया तत्वों से मुक्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ मंदिर के पास नयी केदारपुरी का निर्माण उत्तराखंड की जनता के सामर्थ्य और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि का परिचायक है। रावत ने कहा कि उनकी सरकार ने उत्तराखंड के लिए संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों की आकांक्षाओं के अनुरूप गैरसैंण को राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किए है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# निरंजन जंजमेरा को सूरत शहर भाजपा अध्यक्ष और संदीप देसाई को जिला भाजपा अध्यक्ष के रूप में चुना गया

**क्रांति समय**

उपचुनाव परिणामों से पहले ही भाजपा ने नए अध्यक्ष चुने हैं। गुजरात में कुल 39 भाजपा अध्यक्ष चुने गए हैं। जिसमें सूरत शहर के पूर्व मेयर निरंजन जंजमेरा को चुना गया है। उनके चुने जाने पर उनके समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है और उन्हें मिठाई खिलाकर बधाई दी गई है।

निरंजन जंजमेरा 15/06/2013 से 14/12/2015 तक मेयर रह चुके हैं और भाजपा के सक्रिय नेता भी हैं। निरंजन ज़ांज़ेर्मा ने कहा, ष्हम भविष्य में सभी को एक साथ रखकर संगठन को मजबूत करेंगे।ष और टीम वर्क के साथ काम करते हैं। काम इस तरह से किया जाएगा कि वह सबसे छोटे कार्यकर्ता को सुनकर सभी को संतुष्ट करे। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि वह अगले नगरपालिका चुनावों को बहुत अच्छी तरह से जीतेंगे।

सूरत की भाजपा की कामन नितिन भजियावाला की जगह सूरत के निरंजन जंज़मेरा ने ले ली है। नितिन भजियावाला के नेतृत्व वाली भाजपा ने भी शहर में पाटीदार आंदोलन के दौरान जीत हासिल की। अब अगले नगरपालिका चुनावों से पहले निरंजन जंजमेरा के सामने कई चुनौतियां हैं। हालांकि, भाजपा यह उम्मीद कर रही है कि निरंजन जंजमेरा, जो संगठन में कुशल हैं, सभी चुनौतियों से पार पा लेंगे।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने निरंजन जंज़मेरा को मिठाई खिलाई और उनकी नियुक्ति पर बधाई दी।

ज़ांज़ीबार ने अगले नगरपा. लिका चुनाव जीतने की आशा भी

## संदीप देसाई भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं

**क्रांति समय**

संदीप देसाई को जिला भाजपा अध्यक्ष के रूप में चुना गया है। सूरत जिले के संदीप देसाई पिछले तीन वर्षों से भाजपा महासचिव का पद संभाल रहे हैं। पार्टी द्वारा अब तक किए गए कार्यों को भी नोट किया गया। इस बीच, शहर भाजपा अध्यक्ष के साथ जिला भाजपा अध्यक्ष के रूप में संदीप देसाई के नाम की घोषणा आज नए संगठन अध्यक्ष की रूपरेखा में की गई है।

## उपचुनाव नतीजों से पहले
# गुजरात भाजपा ने 39शहर–जिला प्रमुखों का किया ऐलान

**क्रांति समय समाचार**

गुजरात विधानसभा की 8 सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजों से पहले आज प्रदेश भाजपा ने 39 शहर–जिला प्रमुखों का ऐलान कर दिया। हांलाकि गांधीनगर जिला और अहमदाबाद शहर के प्रमुख का ऐलान करना बाकी है। छह प्रमुखों को छोड़ अन्य सभी शहर–जिला प्रमुख बदले गए हैं। गुजरात भाजपा ने दशरत पवार को डांग जिला प्रमुख, हेमंत कंसारा को वलसाड, भूराभाई शाह को नवसारी, निरंजनभाई झांझमेरा को सूरत शहर, संदीप देसाई को सूरत जिला, जयराज गामित को तापी, मारुतिसिंह अटोदरिया को भरुच, घनश्याम पटेल को नर्मदा, विजय शाह को वडोदरा शहर, अश्विन पटेल को वडोदरा जिला, रश्मीकांत वसावा को छोटा उदेपुर, अश्विन पटेल को पंचमहल, दशरथ पटेल को महीसागर, शंकर अमलियार को दाहोद, विपुल सोजित्रा को आणंद, अर्जुनसिंह चौहाण को खेडा, हर्षदगिरी गोसाई को अहमदाबाद जिला, रुचिर भट्ट को गांधीनगर शहर, जेडी पटेल को साबरकांठा, राजेन्द्र पटेल को अरवल्ली, जशुभाई पटेल को मेहसाणा, दशरथजी ठाकोर को पाटन, गुमानसिंह चौहाण को बनासकांठा, केशूभाई पटेल को कच्छ, विमल कथगरा को जामनगर शहर, रमेश मुंगरा को जामनगर जिला, खीमभाई जोगल को देवभूमि द्वारका, कमलेश मिराणी को राजकोट शहर, मनसुख खाचरिया को राजकोट जिला, दुर्लभभाई देथरिया को मोरबी, पुनित शर्मा को जूनागढ़ शहर, किरीट पटेल को जूनागढ़ जिला, मानसिंह परमार को गिर सोमनाथ, किरीट मोढवाडिया को पोरबंदर, कौशिक वेकरिया को अमरेली, राजीव पंड्या को भावनगर शहर, मुकेश लांगलिया को भावनगर जिला, भीखूभाई वाघेला को बोटाद और जगदीश दलवाडी को सुरेन्द्रनगर जिला भाजपा प्रमुख नियुक्त किया गया है। भाजपा ने 6 शहर–जिले में प्रमुखों को रिपीट किया है। जिसमें राजकोट शहर में कमलेश मिराणी, डांग में दशरथ पवार, तापी में जयराम गा. मित, साबरकांठा में जेडी पटेल, कच्छ में

# उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल के खिलाफ गांधीनगर में प्रदर्शन

**क्रांति समय समाचार**

मोरबी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के दौरान जाति वाचक शब्दों का उपयोग करने के विरोध में आज स्वयं सेवक दल ने गांधीनगर में उप मुख्यमंत्री नि. तिन पटेल के खिलाफ प्रदर्शन किया। हांलाकि बगैर मंजूरी रैली निकालने का प्रयास करने पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया।

दरअसल मोरबी विधानसभा सीट पर हाल ही में उप चुनाव के दौरान नितिन पटेल ने जाति वाचक शब्दों का प्रयोग किया था। जिसे लेकर सोशल मीडिया पर जाति वाचक टिप्पणी वापस लेने की मांग किए जाने के बाद नितिन पटेल ने इस संदर्भ में फेसबुक पर माफी भी मांग ली थी।

इसके बावजूद स्वयं सेवक दल ने गांधीनगर नितिन पटेल के खिलाफ प्रदर्शन किया।

बगैर प्रशासन की मंजूरी के रैली निकालने के प्रयास में पुलिस ने स्वयं सेवक दल के कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। स्वयं सेवक दल के नेता चंद्रमणी ने कहा कि यदि कोई सामान्य व्यक्ति जाति वाचक शब्दों का उपयोग करता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाती है, लेकिन उप मुख्यमंत्री जैसे राजनेता द्वारा ऐसे शब्दों का उपयोग किए जाने के बावजूद उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। चंद्रमणी ने कहा कि उप मुख्यमंत्री के खिलाभ

# अंकलेश्वर में दिनदहाडे फाइनांस कंपनी में बंदूक की नोक पर चार करोड़ की लूट

**क्रांति समय समाचार**

भरुच जिले के अंकलेश्वर में आज सुबह इंडिया इन्फोलाइन फाइनांस कंपनी में घुसे चार लुटेरों ने बंदूक की नोंक पर नकद और सोने के आभूषण समेत 4 करोड़ रुपए से अधिक की लूट चलाई और फरार हो गए।

घटना के बाद हरकत में आई पुलिस ने नाकाबंदी कर लुटेरों को पकड़ने की कवायद तेज कर दी है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के अंकलेश्वर में 3 रास्ता सर्कल के निकट स्थित इंडिया इन्फोलाइन फाइनान्स की ऑफीस हथियार से लैस चार लुटेरे घुस आए और बंदूक दिखाकर सभी कर्मचारियों को भीतर के कमरे में भेज देते हैं। दो लुटेरों के पास बंदूक थी और एक के पास चाकू था। जिसके बाद लुटेरे सोने के आभूषण और नकद समेत चार करोड़ रुपए से अधिक की लूट चलाकर एक कार में फरार हो गए। लूट की घटना कंपनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और सीसीटीवी फूटेज के आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच और एसओजी ने नाकाबंदी कर फरार लुटेरों को धरदबोचने की कवायद तेज कर दी है।

## 23 वर्ष में 542 और पिछले दो वर्ष में ही गुजरात में स्थापित हुए 384 सीएनजी स्टेशन
# पर्यावरण संतुलन के साथ जारी रखी विकास की गतिः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों का सामना करते हुए उसके खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ हमें पर्यावरण संरक्षण के संतुलन और विकास की गति को जारी रखना है। सोमवार को गांधीनगर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सीएनजी सहभागी योजना के अंतर्गत और 164 सीएनजी फिलिंग स्टेशन के आशय पत्र वितरित करते हुए उन्होंने यह बात कही। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री ने राज्य मेंपर्यावरण सुरक्षा के साथ प्रदूषण घटाने और हरित ऊर्जा का दायरा बढ़ाने के लिए सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) वाहनच. ालकों को सरलता से सीएनजी उपलब्ध कराने की नवीन पहल की है। राज्य सरकार के उपक्रम गुजरात गैस कंपनी की ओर से आयोजित इस ई–वितरण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात सरकार का यह स्पष्ट दृष्टिकोण है कि राज्य में पर्यावरण शुद्धता को कायम रखते हुए प्रदूषण नियंत्रण के साथ–साथ विकास की गति भी जारी रहे। इसके लिए राज्य में सीएनजी और पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के अधिकाधिक उपयोग का सुदृढ़ आयोजन राज्य सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात ने सीएनजी वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने और प्रदूषण की रोकथाम के लिए पेट्रोल और डीजल ईंधन के विकल्प के रूप में सीएजी को प्रोत्साहन देने की पहल करते हुए राज्य में सीएनजी स्टेशनों का दायरे का विस्तार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में 23 वर्ष में 542 सीएनजी स्टेशन स्थापित हुए थे, उसके समक्ष पिछले केवल दो वर्ष में ही हमने 384 सीएनजी स्टेशन कार्यरत किए हैं। उन्होंने कहा कि जब सीएनजी सहभागी योजना शुरू की थी तब 300 सीएनजी स्टेशन शुरू करने का लक्ष्य था, जिसके समक्ष आज लक्ष्यांक से भी अधिक अर्थात 384 स्टेशन राज्य में स्थापित हुए हैं। पूरे देश में स्थापित 2,300 सीएनजी फिलिंग स्टेशनों के मुकाबले अकेले गुजरात में 690 यानी देश के कुल सीएनजी स्टेशन का 30 फीसदी गुजरात में है। उन्होंने कहा कि हमें एक ऐसी स्थिति का निर्माण करना है जिसमें राज्य में अधिक से अधिक सीएनजी स्टेशन शुरू कर कहीं किसी वाहन धारक को सीएनजी के लिए लंबी कतार में खड़ा ना रहना पड़े। मुख्यमंत्री ने आगामी दिनों में राज्यभर में 900 सीएनजी स्टेशन कार्यरत करने का लक्ष्यांक चरणबद्ध तरीके से पूरा करने की भी मंशा व्यक्त की। उन्होंने गुजरात गैस कंपनी लिमिटेड और साबरमती गैस लिमिटेड को इसका बुनियादी ढांचा और कैपेसिटी बिल्डिंग के लिए आयोजन करने का भी निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने आगामी दिवाली के त्यौहारों के उपलक्ष्य में राज्य के सीएनजी वाहन धारकों को सरलता से गैस उपलब्ध हो सके इस अपेक्षा के साथ इन नए सीएनजी फिलिंग स्टेशनों के संचालकों को भी सुख–समृद्धि की शुभकामनाएं दीं। रूपाणी ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के साथ विकास की गति को हमने कोरोना संक्रमण काल में भी बरकरार रखा है। 13 हजार करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्य हुए हैं। यही नहीं, गिरनार रोप–वे, सी–प्लेन, हजीरा–घोघा रो–पैक्स सेवा, डिजिटल सेवा सेतु, सात पगला खेडूत कल्याण ना जैसी जनहितकारी योजनाओं

# राज्य में 993 मरीजों ने कोरोना को मात दी, 971 नए केस दर्ज

**क्रांति समय समाचार**

राज्य में आज कोरोना के 971 नए केस सामने आए हैं, जबकि 993 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गएं। 5 और मरीजों की मौत के साथ राज्य में कोरोना का मृतांक 3768 पर पहुंच गया। पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 169, सूरत कॉर्पोरेशन में 156, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 90, राजकोट कॉर्पोरेशन में 59,

मेहसाणा में 45, वडोदरा में 39, पाटन में 38, सूरत में 33, राजकोट में 31, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 23, बनासकांठा में 21, सुरेन्द्रनगर में 21, कच्छ में 20, गांधीनगर में 16, अमरेली में 15, दाहोद में 15, अहमदाबाद में 14, मोरबी में 14, खेडा में 12, अरवल्ली में 11 और महीसागर में 11 समेत राज्यभर में कोरोना के कुल 971 नए केस सामने आए। जबकि 993 मरीज कोरोना को मात देकर ठीक हो गए। इस दौरान अहमद. ाबाद कॉर्पोरेशन और राजकोट कॉर्पोरेशन में 2–2 और मेहसाण ा में एक मरीज की कोरोना से मौत हो गई। आज 51789 समेत राज्यभर में अब तक कुल 6519943 लोगों का टेस्ट किया गया।

जिसमें 181670 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आए। इनमें से अब तक 165589 मरीज ठीक होकर अपने घर लौट गए। जबकि 3768 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी है। फिलहाल राज्य में सक्रिय 12313 मरीजों में 12249 स्टेबल हैं और 64 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)